संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 317 रविवार 21 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का वर्चुअली इनॉगरेशन किया

विश्व की शांति और स्थिरता के लिए भारत का आत्मनिर्भर होना जरूरी : मोदी

भावनगर,20 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विश्व की शांति,स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आत्मनिर्भरता को सबसे बड़ा मंत्र मानना होगा। उन्होंने भावनगर में करीब 35 मिनट तक जनता को संबोधित किया। पीएम ने विकसित भारत, कानूनों में बदलाव और आत्मनिर्भर भारत का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि भारत आज विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। सच में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगी। हम भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते, इसलिए कहते हैं 100 दुखों की एक दवा, वो है आत्मनिर्भर भारत। पीएम सुबह 10 बजे भावनगर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट से जवाहर ग्राउंड तक रोड शो किया। समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में सौराष्ट्र और गुजरात में 34,200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का वर्चुअली उद्घाटन और शिलान्यास किया।

दूसरे देशों पर निर्भरता सबसे बड़ा दुश्मन : पीएम मोदी

भारत आज विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। सच में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। यह हमारा दुश्मन है। हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। हमें यह बात हमेशा दोहराना है जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता, उतनी ज्यादा देश की विफलता। दुनिया में शांति स्थिरता और समृद्धि के लिए दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर रहना पड़ेगा। दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगी। हम भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते इसलिए कहते हैं 100 दुखों की एक दवा, वो है आत्मनिर्भर भारत।

कांग्रेस ने कौशल को नजरअंदाज किया : पीएम मोदी

भारत में कौशल की कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने इसे नजरअंदाज किया। छह-सात दशकों तक भारत वो सफलता हासिल नहीं कर सका जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण थे लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में लटकाए रखा। जब ग्लोबलाइजेशन का दौर आया तो इंपोर्ट का रास्ता पकड़ लिया उसमें भी करोड़ों के घोटाले कर दिए। देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया। इन नीतियों ने भारत की असली ताकत को सामने आने से रोक दिया। साथियों देश का कितना नुकसान हुआ इसका उदाहरण हमारा शिपिंग सेक्टर है। भारत सदियों से एक समुद्री ताकत था। हम शिप बिल्डिंग के सेंटर हुआ करते थे।

पीएम मोदी ने मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का इनॉगरेशन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावनगर से वर्चुअली बैलार्ड पियर पर अत्याधुनिक मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का इनॉगरेशन किया। यह देश का सबसे बड़ा क्रूज टर्मिनल है, जिसे 'क्रूज भारत मिशन' के तहत विकसित किया गया है। करीब 4.15 लाख वर्ग फुट में फैला यह टर्मिनल हर साल 10 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। इस टर्मिनल पर एक साथ 5 क्रूज शिप यहां खड़े हो सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें 72 चेक-इन और इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं। केंद्रीय पोत,नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि मुंबई का समुद्री इतिहास बेहद समृद्ध है और यह टर्मिनल भारत को वैश्विक क्रूज पर्यटन हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

Short News

अमेरिका एच-1बी वीजा के लिए 88 लाख वसूलेगा

3 लाख भारतीयों पर असर

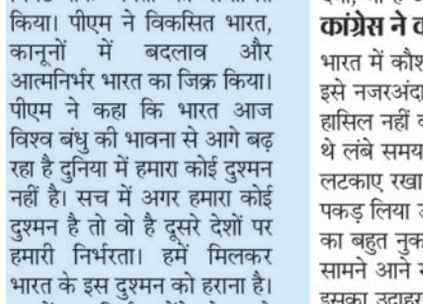

वॉशिंगटन डीसी,20 सितम्बर 2025 (ए)। अमेरिका अब एच-1बी वीजा के लिए हर साल एक लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपए) एप्लिकेशन फीस वसूलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर साइन किए। नए चार्ज 21 सितंबर से लागू होंगे। एच-1बी वीजा के लिए पहले औसतन 5 लाख रुपए लगते थे। यह 3 साल के लिए मान्य होता था। इसे 3 साल के लिए रिन्यू किया जा सकता था। अब अमेरिका में एच-1बी वीजा के लिए 6 साल में 5.28 करोड़ लगेंगे, यानी खर्च करीब 50 गुना से ज्यादा बढ़ जाएगा। अमेरिका हर साल लॉटरी से 85,000 एच-1बी वीजा जारी करती है, जिनका इस्तेमाल ज्यादातर तकनीकी नौकरियों में होता है। सबसे ज्यादा भारतीय (72%) इसका इस्तेमाल करते हैं। अब वीजा फीस बढ़ने से 3 लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

खरगे ने ट्रंप के एच-1 बी वीजा फीस वृद्धि को बताया भारत के लिए झटका

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2025 (ए)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा पर वार्षिक एक लाख डॉलर (लगभग 90 लाख रुपये) की फीस लगाने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नाराजगी जताई है। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन के फोन के बाद मिले रिटर्न गिफ्ट्स से भारतीय बहुत दुखी हैं। उन्होंने इसे अबकी बार ट्रंप सरकार का जन्मदिन का तोहफा करार दिया। खरगे ने कहा कि एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का वार्षिक शुल्क भारतीय तकनीकी कर्मचारियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा, क्योंकि 70 प्रतिशत से ज्यादा एच-1बी वीजा धारक भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत टैरिफ पहले ही लग चुका है, जिससे 10 क्षेत्रों में भारत को 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इसके अलावा भारतीय आउटसोर्सिंग को निशाना बनाने वाला एचआईआरई अधिनियम, चाबहार बंदरगाह से छूट हटाना जो रणनीतिक हितों के लिए नुकसानदेह है तथा यूरोपीय संघ से भारतीय वस्तुओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आह्वान शामिल है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने 19 सितंबर को एक घोषणा जारी कर एच-1बी वीजा आवेदनों पर वार्षिक एक लाख डॉलर की अतिरिक्त फीस लगाने का ऐलान किया है।

मोदी ने वोट चुराकर सत्ता हासिल की:राहुल

हमारे पास पुख्ता सबूत,जल्द हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2025 (ए)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनके पास वोट चोरी के ऐसे सबूत हैं, जिन्हें वे जल्द ही सबके सामने लाएंगे। उसके बाद किसी को भी शक नहीं रहेगा कि मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की है।

केरल के वायनाड में राहुल ने कहा

हमारे पास 100% सबूत हैं। जल्द ही हम एक 'हाइड्रोजन बम' फोड़ेंगे, जो पूरी सच्चाई देश के सामने रख देगा। यह मामला ओपन एंड शट है। हम बिना सबूत के कभी कुछ नहीं कहते। इस बार भी हमारे पास पूरे सबूत हैं। उन्होंने कहा कि पिछली प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कांग्रेस ने वोटर लिस्ट में धांधली के उदाहरण दिए थे। महादेवपुरा और आलंद में गलत तरीके से वोट जोड़ने और काटने की घटनाएं दिखाई थीं। कांग्रेस सांसद ने कहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को बचा रहे हैं। आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6000 वोटरों के नाम काटने की कोशिश का मामला सीआईडी जांच में है। ये जांच खुद सीईसी की भूमिका पर सवाल उठाती है।

राहुल बोले- सच्चाई देश के सामने लाएंगे

जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका 'हाइड्रोजन बम' प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जुड़ा होगा, तो राहुल ने कहा कि यह अटकलें लगाने का काम मीडिया का है, उनका काम है सच्चाई देश के सामने लाना। राहुल गांधी ने वायनाड में अपनी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी की स्मृति में बने सभागार का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ओमन चांडी सत्ता में रहते हुए भी हमेशा जनता से जुड़े और विनम्र रहे,जबकि आज कई राष्ट्रीय स्तर के नेता सत्ता में आते ही घमंडी हो जाते हैं।

जम्मू के उधमपुर में सुरक्षाबलों-आतंकियों में मुठभेड़,एक जवान शहीद

उधमपुर,20 सितम्बर 2025 (ए)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में शुक्रवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में घायल हुआ जवान शनिवार सुबह शहीद हो गया। वहीं एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। मुठभेड़ दूदू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह में सोजधार के जंगलों में हो रही है। शुक्रवार रात करीब 8 बजे सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की संयुक्त टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान वहां छिपे जैश के 2-3 आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। मुठभेड़ वाले इलाके में रातभर कड़ी घेराबंदी कर शनिवार सुबह फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। उधमपुर और डोडा दोनों तरफ से हवाई निगरानी के लिए ड्रोन, हेलिकॉप्टर और जमीन पर खोजी कुत्तों से लैस फोर्स आतंकियों की तलाश कर रही है। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। आतंकियों की तलाश में एक ऑपरेशन किश्तवाड़ में भी चलाया गया, जहां शुक्रवार रात से आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है।

जजों को अपनी शक्ति विनम्रता-जिम्मेदारी से इस्तेमाल करनी चाहिए:चीफ जस्टिस गवई

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2025 (ए)। चीफ जस्टिस (चीफ जस्टिस) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि जजों को अपनी शक्ति विनम्रता और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करनी चाहिए। चीफ जस्टिस दिल्ली में सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल 2025 के 10वें अखिल भारतीय सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें देशभर से जजों और ट्रिब्यूनल सदस्यों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान चीफ जस्टिस ने कहा, हमारे पास अपार शक्ति है लेकिन इसे सही जगह उपयोग करना जरूरी है। हमारे सामने आने वाले सभी वादियों को विश्वास होता है कि उन्हें न्याय मिलेगा, इसलिए हमारा निर्णय निष्पक्ष होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि उनके ये विचार आलोचना नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और सुधार का अवसर हैं, ताकि ट्रिब्यूनल और न्याय व्यवस्था और मजबूत हो सके।

चीफ जस्टिस ने कहा कि ज्यूडिशियल ऑफिसर्स के आचरण गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि अब न्यायिक मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास परीक्षा के लिए तीन साल की

प्रैक्टिस जरूरी कर दी गई है। उन्होंने कहा, इसका कारण यह है कि बिना अनुभव वाले युवा ग्रेजुएट जज बनने के बाद पहले ही दिन वरिष्ठ वकीलों को दबाने लगते हैं। हाल ही में एक हाईकोर्ट में ऐसा हुआ,जहां एक युवा वकील जज की फटकार से बेहोश हो गया। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह नियम दोबारा लागू करने का मकसद यही है कि उम्मीदवार अदालत की प्रक्रिया समझने के बाद ही जज बनें। उन्होंने मार्टिन लूथर किंग के भाषण का जिक्र करते हुए कहा, हमें ऐसे नेता चाहिए जो पैसे या शोहरत के नहीं,बल्कि न्याय और मानवता के प्रेमी हों।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए गयाजी में किया पिंडदान

पटना,20 सितम्बर 2025 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मोक्ष की भूमि बिहार के गयाजी में शनिवार को विष्णुपद मंदिर में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति व मोक्ष की कामना को लेकर पिंडदान किया। उन्होंने विश्वविख्यात गयाधाम स्थित विष्णुपद मंदिर परिसर की तीन प्रमुख पिंडवेदियों पर पिंडदान किया। राष्ट्रपति अपने तय समयानुसार सुबह करीब 09 बजे गयाजी अंतराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर विशेष विमान से पहुंचीं। इसके बाद सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंचीं। इस दौरान बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी उनके साथ रहे। राष्ट्रपति की ओर से किए जाने वाले पिंडदान के लिए जिला प्रशासन ने विष्णुपद मंदिर

परिसर में ही विशेष व्यवस्था की थी। एल्यूमिनियम फैब्रिकेटेड हॉल में तीन कक्ष बनाए गए थे। एक कक्ष में राष्ट्रपति ने अपने परिजनों के साथ पिंडदान किया। गयापाल पुरोहित राजेश लाल कटरियार के नेतृत्व में वैदिक क्रियाओं के साथ धार्मिक अनुष्ठान और कर्मकांड करवाया गया। राष्ट्रपति पहली बार अपने पूर्वजों का पिंडदान करने गया पहुंची थीं। वो दो घंटे गयाजी में रुकीं और संपूर्ण विधि-विधान के साथ पिंडदान किया।

इस दौरान विष्णुपद मंदिर और आस-पास का इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। इस दौरान कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर आम लोगों के लिए कुछ देर तक आवागमन को बंद कर दिया गया था। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया था। निर्धारित मार्ग पर आम वाहनों का परिचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया था। उल्लेखनीय है कि गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला अपने 15 वें दिन में है। 21 सितंबर तक पितृपक्ष मेला आयोजित है। इस दिन वैतरणी सरोवर पर तर्पण और गौ-दान का विशेष विधान है। मान्यता है कि इस दिन वैतरणी वेदी पर स्नान और तर्पण करने से पिंडदानी के 21 कुलों का उद्धार होता है।

सीतारमण ने तमिलनाडु के माचिस उद्योग को बनाए रखने के लिए महिला श्रमिकों की सराहना की

कोविलपट्टी (तमिलनाडु), 20 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को तमिलनाडु में माचिस उद्योग में कार्यरत महिला श्रमिकों के प्रयासों की सराहना की। सीतारमण ने कहा कि उनके अथक योगदान ने क्षेत्र में इस क्षेत्र को जीवन दिया है। वित्त मंत्री ने कोविलपट्टी में तमिलनाडु माचिस उद्योग के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र का नेतृत्व मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता रहा है। सीतारमण ने क्षेत्र की महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर कहा, इस सूखाग्रस्त भूमि पर जहां न तो पर्याप्त वर्षा होती है और न ही

जल संकट से राहत मिलती है,लेकिन गर्व की बात है हर उस महिला के लिए, जिसने अपने घरों की रक्षा और अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के साथ-साथ इस व्यापार को भी आगे बढ़ाया। सीतारमण ने कहा कि एक छोटे से उद्योग के रूप में शुरू हुए इस उद्योग को उन्होंने एक विशाल उद्योग में बदल दिया। उन्होंने माचिस उद्योग के हितधारकों से आग्रह किया कि वे इस बारे में एक विस्तृत योजना प्रस्तुत करें कि वे 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के उद्योग, व्यापार और अर्थव्यवस्था में कैसे योगदान दे सकते हैं।

न्यायमूर्ति पी.बी. बजनथ्री नियुक्त किये गये पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

पटना,20 सितम्बर 2025 (ए)। पटना उच्च न्यायालय को स्थायी मुख्य न्यायाधीश मिल गया हैं। केंद्र सरकार ने उच्चत्तम न्यायालय कालेजियम की अनुशंसा को मंजूरी देते हुए न्यायाधीश पी.बी. बजनथ्री को पटना उच्च न्यायालय का नियमित मुख्य न्यायाधीश नियुक्त कर दिया है। वे 27 अगस्त 2025 से कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में दायित्व संभाल रहे थे। इस नियुक्ति के बाद बजनथ्री पूर्णकालिक मुख्य न्यायाधीश के रूप में पटना उच्च न्यायालय के न्यायिक प्रशासन का नेतृत्व करेंगे।

अमूल ने 700 प्रोडक्ट के दाम घटाएं

एक लीटर घी 40 रुपए सस्ता मिलेगा

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2025 (ए)। अमूल ने अपने 700 से ज्यादा उत्पादों की कीमतों में कटौती की घोषणा की है। इसके तहत घी, मक्खन, चीज, आइसक्रीम और अन्य दूध उत्पाद सस्ते होंगे। यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से लागू होगा। अमूल ने यह कदम नए जीएसटी स्लैब में हुए बदलाव के बाद उठाया गया है। इससे पहले मदर डेयरी ने 16 सितंबर को अपने डेयरी प्रोडक्ट्स के दामों में कटौती का ऐलान किया था। प्रोडक्ट्स की कीमतों में 2 रुपए से लेकर 30 रुपए तक की कटौती की गई थी। इसमें टेट्रा पैक दूध, पनीर, चीज, घी, मक्खन,

आइसक्रीम और सफल ब्रांड के प्रोसेस्ड फूड शामिल है। एक लीटर अमूल घी की कीमत 40 रुपए कम होकर 610 रुपए हो गई है। 100 ग्राम मक्खन का पैक अब 62 रुपए के बजाय 58 रुपए में मिलेगा। एक किलो चीज ब्लॉक की कीमत 30 रुपए घटकर 545 रुपए हो गई है।

संपादकीय

ड्रोन और ड्रग्स

यह अच्छी बात है कि केंद्र की राजग सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकारों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को भरपूर समर्थन का वायदा किया है। हालांकि,यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता है,जब तक कि अंतर्राष्ट्रीय साजिश से नशे के संकट को झेल रहे राज्यों में सबसे संवेदनशील पंजाब के हालात पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। पंजाब में सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के कारोबार की साजिश से पंजाब किस हद तक त्रस्त है, इस सप्ताह की शुरुआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की 2024 की रिपोर्ट से वह भयावह तसवीर उभरती है। एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान से इस सीमावर्ती राज्य में आये ड्रग्स से लदे ड्रोनों के देखे जाने और बरामद होने की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि देखी गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चिंता जतायी है कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के लिये ड्रोन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। इन हालात को देखकर कानून प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूल रहे हैं। दरअसल, चिंता की बात यह है कि ड्रग तस्करी करने वाले गिरोह जोखिम भरे पारंपरिक जमीनी तरीके अपनाने के बजाय हवाई मार्ग से तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। यह स्थिति कितनी विकट है नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पेश आंकड़ों से यह पता चलती है। एनसीबी के अनुसार पिछले साल भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की तस्करी के 179 मामले दर्ज किए गए, जिसमें सबसे अधिक 163 मामले पंजाब में थे। उसके बाद राजस्थान में पंद्रह और जम्मू-कश्मीर में एक मामला सामने आया। इससे इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि बरामदगी की बहुत ज्यादा घटनाओं के बावजूद पंजाब सीमा पार के नशे तस्करों के लिये सबसे अच्छा विकल्प बना हुआ है।

नशा तस्करों के खतरनाक मंसूबे देखिए कि हाल में पंजाब में बाढ़ के दौरान नशा तस्कर आपदा में अवसर तलाशते रहे। इन आपराधिक तत्वों ने हाल में आई बाढ़ का फायदा उठाकर नावों और टायर-ट्यूबों के जरिये भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की है। इसके साथ यह भी चिंताजनक स्थिति है कि विदेशी गैंगस्टर नशीले पदार्थों के देश के तस्करों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस संकट को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जो पंजाब के लोगों के लिये जानलेवा साबित हो रहा है। राज्य में, देश में पकड़ी गई हेरोइन का 45 फीसदी बरामद होना पंजाब की नशे की दलदल की गहराई को दर्शाता है। वहीं राज्य में पिछले साल 2.9 करोड़ नशे की गोलियां बरामद होना बताता है कि नशे का संकट कितना भयावह हो चला है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में 51 लाख नशे की गोलियां बरामद की गई। पहले व दूसरे नंबर का अंतर भी स्थिति की विकटता को ही दर्शाता है। विडंबना यह है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के युवा हेरोइन और कोकीन के तस्करों के लिये आसान निशाना बन रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कुछ महीने पहले सही ही कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट अब केवल व्यक्तिगत लत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने सार्वजनिक व्यवस्था,राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के शासन के लिये खतरा पैदा करना शुरू कर दिया है। निःस्संदेह, पंजाब सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान को केंद्र सरकार की नशा मुक्त पहल के साथ जोड़ कर चलाया जाना चाहिए। यह स्पष्ट है कि पंजाब में आने वाली नशीली दवाओं की आपूर्ति अब अन्य राज्यों में भी की जा रही है। देश के सीमावर्ती राज्यों पंजाब, असम,मिजोरम,राजस्थान,पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर में यह संकट गहरा रहा है। जहां विदेशों में बैठे नशा तस्करों द्वारा देश में नशे का जहर भेजा जा रहा है। नार्को आतंकवाद से निपटने के लिये केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तथा राज्यों के बीच भी बेहतर तालमेल वक्त की जरूरत है।

योगी राज में दूरी और असुरक्षा से सहमी महिला शिक्षक

महिलाओं के लिए यह कठिनाई और बढ़ जाती थी। विवाहित महिला शिक्षिकाएँ परिवार और नौकरी के बीच संतुलन बनाने में असमर्थ हो रही थीं। बच्चों की पढ़ाई,बुजुर्गों की देखभाल और घरेलू ज़िम्मेदारियों के बीच यदि किसी दूरस्थ गाँव में नियुक्ति हो जाती थी तो दैनिक जीवन कष्टमय हो जाता था। कई बार यह सुनने में आता था कि महिला शिक्षिकाएँ सुरक्षा कारणों से अकेले विद्यालय तक जाने में आशंकित रहती थीं। अनेक महिला शिक्षिकाएँ यह अनुभव कर रही थीं कि यदि विद्यालय तक जाने के लिए बस या साझा सवारी उपलब्ध न हो तो सुबह-सुबह घर से निकलकर शाम को अंधेरा होने के बाद लौटना बहुत असुरक्षित लगता था।

संजय सक्सेना
लखनऊ,वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश में शिक्षकों की तबादला नीति और उससे जुड़ी जटिलताओं पर लंबे समय से बहस जारी रही थी। सरकार द्वारा बार-बार नए आदेश जारी किए जा रहे थे, किन्तु शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं निकल पा रहा था। विशेषकर महिला शिक्षिकाओं के लिए यह मुद्दा किसी बोझ से कम नहीं माना जा रहा था। दूरस्थ स्थानों पर नियुक्ति, परिवार से दूरी, परिवहन की कठिनाइयाँ और कार्यस्थल पर अपेक्षित सुविधाओं का अभाव उनके जीवन को और कठिन बना देता था।राज्य में यह कहा जा रहा था कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यालयों में शिक्षकों का संतुलित वितरण सुनिश्चित करने के लिए तबादला नीति बनाई गई थी। परंतु जब उसका क्रियान्वयन हुआ तो उसमें पारदर्शिता की कमी और पक्षपात के आरोप लगे। जिन शिक्षकों को पास में नियुक्ति की अपेक्षा थी, वे कई बार सैकड़ों किलोमीटर दूर भेज दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षक यह कहा करते थे कि विद्यालयों तक पहुँचना स्वयं एक बड़ी चुनौती थी। सड़कें जर्जर रहती थीं और परिवहन के साधन सीमित होते थे। कुछ प्रकरणों में यह बताया जा रहा था कि अभिभावक और परिवारजन स्वयं महिलाओं को रोज़ाना विद्यालय तक पहुँचाने और वापस लाने के लिए बाध्य हो रहे थे। यह बोझ पूरे परिवार के जीवन को प्रभावित करता था।

जब शासन की ओर से यह घोषणा की गई थी कि तबादला नीति के माध्यम से शिक्षकों को उनकी प्राथमिकता दी जाएगी, तब शिक्षकों ने उम्मीद जताई थी। किन्तु वास्तविकता में यह देखा गया कि कई नाम आवेदन करने के बावजूद अपेक्षित रह गए। ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत कुछ शिक्षिकाएँ यह कह रही थी कि उनकी वरिष्ठता और सेवा अवधि को अनदेखा किया गया था। अनुसूचित क्षेत्रों और पिछड़े गाँवों में नियुक्त महिला शिक्षिकाओं का दर्द और गहरा था। वे यह मान रही थीं कि विद्यालय में बच्चों को पढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि वहाँ तक सुरक्षित पहुँचना किसी संघर्ष से कम नहीं होता। समाज में शिक्षकों को आदर्श माना जाता रहा है, परंतु जब स्वयं उनका जीवन संघर्षमय हो तो यह आदर्श धुंधला पड़ने लगता है। महिला शिक्षिकाओं ने अपने अनुभव साझा किए थे कि सुबह-सुबह परिवार को छोड़कर अजनबी परिवेश में जाना, छोटे-छोटे बच्चों से दूर रहना और लगातार असुरक्षा झेलना उन्हें मानसिक और शारीरिक दोनों स्तर पर थका देता था। कई शिक्षिकाओं ने यह कहा था कि परिवार के सदस्य बीमार पड़ जाएँ तो छुट्टी लेकर घर पहुँचना आसान नहीं होता। लंबी दूरी और सीमित परिवहन सुविधा इस समस्या को और विकट बना देती थी। कहा जाता है पढ़ाई का वातावरण तब ही बेहतर बन सकता था जब शिक्षक मानसिक रूप से संतुलित और संतुष्ट हों। किंतु जब शिक्षकों को स्थानांतरण की अनिश्चितता और दूरदराज़ की कठिन नियुक्तियों का बोझ झेलना पड़ता तो उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती थी। बच्चों को पूर्ण मनोयोग से पढ़ाना कठिन हो जाता था। महिला शिक्षिकाओं ने यह स्वीकार किया था कि कई बार वे पढ़ाते समय भी मन ही मन घर और बच्चों की चिंता करती थीं। इस कारण उनकी अध्यापन की जो क्षमता होती थी, उसमें कमी आ जाती थी। शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की ओर से यह मांग लगातार उठती रही थी कि नीति में पारदर्शिता लाई जाए। वरिष्ठता,सेवा अवधि और पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर स्थानांतरण किया जाए। विशेषकर महिला शिक्षिकाओं की सुरक्षा, बच्चों की देखभाल और परिवार से निकटता को प्राथमिकता दी जाए। कई संगठनों ने यह प्रस्ताव रखा था कि विवाहित महिला शिक्षिकाओं को संभव हो सके तो पति के कार्यस्थल के निकट ही नियुक्ति दी जाए। अविवाहित और युवा शिक्षिकाओं को सुरक्षित एवं सुगम परिवहन वाले क्षेत्रों में रखा जाए। अतिरिक्त आवश्यकता के बिना किसी को अत्यधिक दूर न भेजा जाए। हालाँकि शासन की ओर से यह दावा किया जाता रहा था कि हर समस्या पर गंभीरता से विचार हो रहा है, किन्तु शिक्षक समुदाय का अनुभव कुछ और कह रहा था। शिक्षिकाओं को लगता था कि उनकी आवाज़ को उचित महत्व नहीं दिया जा रहा है। वर्षों से यह देखा जा रहा था कि शिक्षक संगठन इस विषय पर धरना-प्रदर्शन करते रहे।

पत्राचार और शिकायतों के बावजूद समाधान लंबित रहता था। महिला संगठन विशेष रूप से यह कहते रहे कि यदि महिलाओं को शिक्षा क्षेत्र से हतोत्साहित किया गया, तो इसका नकारात्मक असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। तमाम महिला शिक्षिकाएं अक्सर कहती मिल जाती हैं कि पढ़ाना केवल उनका कर्तव्य नहीं था, बल्कि समाज के भविष्य को आकार देने का प्रयास था। परंतु जब वह हर दिन विद्यालय जाते समय असुरक्षा और दूरी का भय महसूस करती थीं,तो उनका मनोबल टूट जाता था। उत्तर प्रदेश में शिक्षकों की तबादला नीति केवल एक शासकीय दस्तावेज़ भर नहीं थी,बल्कि उससे हज़ारों शिक्षकों का जीवन तय होता था। महिला शिक्षिकाएँ तो इस व्यवस्था से सबसे अधिक प्रभावित हो रही थीं। उनके सामने घर और विद्यालय दोनों का संतुलन साधने की चुनौती थी। प्रशासन यदि उनकी परिस्थितियों को नजरअंदाज़ करता रहा, तो शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी गंभीर असर पड़ना तय था। इसलिए यह भावना प्रकट की जा रही थी कि नीतियों को ज़मीनी वास्तविकताओं से जोड़ना ज़रूरी है। केवल नियम बनाने से समस्या हल नहीं होती। जब तक महिला शिक्षकों की असल पीड़ा को सुना और समझा नहीं जाएगा, तब तक शिक्षा जगत में संतुलन और न्याय स्थापित नहीं हो पाएगा।

उम्रदराज बदमाशी का अभिनंदन समारोह

डॉ. सुरेश कुमार
मिश्रा 'अरुण'

गांव कस्बे से लेकर राजधानी तक धूम थी कि साहित्य अकादेमी एक ऐतिहासिक कार्यक्रम करने जा रही है। विषय रखा गया-हिन्दी व्यंग्य का संक्रमण काल। लेकिन असली मसाला तो यह था कि स्वागत भाषण देंगे अपने ही सचिव जी, जिनकी बदमाशी इस वर्ष पूरे साठ साल की हो गई। अब आप सोचेंगे कि बदमाशी भी कभी बूढ़ी होती है? अरे जनाब, यहां हर चीज़ का जश्न होता है। कोई मंदिर में घी चढ़ाता है, कोई जन्मदिन पर मोमबत्तियां बुझाता है, और कोई जब ठीक छह दशक तक लोगों का जीना हराम कर दे तो उसकी बदमाशी का अभिनंदन समारोह होता है। अकादेमी वाले तो निमंत्रण पत्र पर छापने ही वाले थे–सचिव जी की बदमाशी की डायमंड जुबली। लेकिन डर था कि कहीं टमाटरों का ठेला हॉल के सामने न सज जाए। सो उसे नरम करके संक्रमण काल नाम दे दिया। समारोह वाले दिन हॉल का नजारा देखने लायक था। बाहर बड़े-बड़े होर्डिंग लगे थे–संक्रमण काल का स्वागत कीजिए। भीतर मंच पर लाल मखमली कपड़े से सजी मेज़ और उसपर फूलों से बना 60 का गोल आंकड़ा। सचिव जी तोंद हिलाते, कुर्सी पर ऐसे जमकर बैठे थे जैसे बदमाशी की रियासत के महाराजा हों और आज उनकी ताजपोशी हो रही हो। परसाई जी की तस्वीर मंच पर टंगी थी–मगर उनकी आंखें जैसे कह रही हों, देखो, मेरी व्यंग्य की संतान खुद अपने ही गला घोंटने वाले को पुष्पमालाएं पहना रही है। भीड़ में बैठे साहित्यकार मुंह दबाकर हंस रहे थे, लेकिन हंसी इस बात की थी कि कहीं जूते सचमुच न उड़ने लगें। कार्यक्रम का एंकर माइक पर बोला–आज हम सबके बीच उपस्थित हैं, व्यक्तित्व संपन्न, अनुभवी सचिव जी। मन तो करता था कि बोल दूं–अनुभव किसका, चोरी, पाखंड, या वर्षों की बदमाशी का? जब सचिव जी बोलने के लिए खड़े हुए तो मंच की ट्यूबलाइटें तक कांपने लगीं। मोटे चश्में के भीतर से निकली उनकी आंखें ऐसे चमक रही थीं जैसे चोर पकड़े जाने पर भी कहता हो–मैं तो इंसाफ बांटने आया हूं। उन्होंने भाषण शुरू किया–साथियो, व्यंग्य का संक्रमण काल चल रहा है। हमें इसे बचाना है। हॉल में बैठे साहित्यकार तालियां बजाने लगे। अब आप सोचिए, जिस आदमी की बदमाशी के किस्से गली-गली में बिजली के बिल की तरह चिपके हैं, वही व्यंग्य को बचाने की बात कर रहा हो तो कैसा दृश्य होगा! यही तो असली संक्रमण है–जहां हरामी प्रवचन देने लगे और पवित्रता सीखाने लगे। सचिव जी के हर शब्द के साथ ऐसा लगता था कि कोई अदृश्य हाथ उनके मुंह से झूठ उगलवाता है और हॉल में बैठी भीड़ उसे सत्य मानकर मुग्ध हो रही है।

कहानी का मजा यहां आया कि मंच पर बैठे दूसरे साहित्यकार भी सिर हिला-हिलाकर समर्थन कर रहे थे। किसी का सिर ऐसे हिलता जैसे हां कहने की आदत पुरानी हो। किसी की गर्दन इतनी बार झुकी कि लग रहा था जैसे किसी खलनायक की शादी में बाराती बना दिया गया हो। उनमें से एक ने चाय की चुस्की लेते हुए धीमे से कहा–यार, मंच साझा करना मजबूरी है। दूसरा बोला–अरे, साहित्य से मतलब है, आदमी से नहीं। सुनकर लगा जैसे आदमी को गटर और साहित्य को गंगा मान लिया हो, और दोनों को एक ही पात्र में घोल दिया गया हो।

व्यंग्य का यह संक्रमण कोई बीमार शब्द नहीं,यह तो आत्मा का जुकाम है। मंच पर बैठे सभी नामवर लेखक चुप्पी का कफन ओढ़े बैठे थे,और सचिव जी आत्मविश्वास से हंस रहे थे–साठ साल की बदमाशी अब अकादेमिक हो गई थी। समारोह का असली व्यंग्य बाहर जम रही भीड़ में था। लोग टोकरी भर सड़े अंडे, मरे हुए टमाटर और पुराने चप्पलें लेकर आए थे। कोई कहता–भाई, स्वागत का असली तरीका यही है। कोई फुसफुसाता–देखना, भाषण बीच में ही लाल अंडों से सज जाएगा। लेकिन जनता को पकड़ने वाले दरबान सतर्क थे, वे ऐसे खड़े थे जैसे लोकतंत्र के गार्ड हों और चप्पलों की इंट्री पर पाबंदी लगा रहे हों। भीतर मंच पर सचिव जी अपने सफेद कुर्ते की सिलवटें सीधी कर रहे थे और बाहर जनता के हाथ से जूते छीनकर लॉकअप में डाल दिए जा रहे थे। यही है व्यंग्य का वर्तमान–जहां जूते पहनकर आएं तो भगवान के दर्शन होते हैं, और जब वही जूते किसी बदमाश के माथे पर पड़ें तो मंच हंगामा मान लेता है। हॉल की हवा में ऐसी गंध थी जैसे फूलों में सड़ी आलू छिपा दी गई हो। धीरे-धीरे सचिव जी का भाषण लंबा होता गया। शब्दों से ज्यादा उनकी हंसी बज रही थी। वह हंसी जो ठेकेदार की रकम से मिलती है,वह हंसी जो पीड़िता के जख्मों पर नमक छिड़कती है, वह हंसी जो साठ वर्ष के अनुभव का पुरस्कार है। सभा में बैठे सारे लेखक उस हंसी को सुनकर ऐसे दिख रहे थे जैसे किसी अस्पताल में मरीज को इसी हंसी की गोली पिलाई जा रही हो। मंच पर बैठे चेहरों की चुप्पी के भीतर एक डर था। उन्हें पता था कि अगर वे विरोध करेंगे तो अगली पुस्तक पर प्राक्कथन कोई और लिखेगा। इसलिए सबकी कलमें जेब में कैद थीं। व्यंग्य का इलाका साहित्य नहीं,बल्कि इस हॉल की बदबू बन गया था। सचिव जी का हर वाक्य एक करंट की तरह लगता और भीतर बैठे सब लेखक उस करंट से बचने के लिए ताली बजाते रहे। अब अगर यह संक्रमण है तो यही है–जहां न्यायालय चुप, मंच गूंगा, और पीड़िता अकेली। उसकी आवाज इस हॉल की किसी दीवार पर चिपकी पोस्टर बनकर रह गई थी। हर बार जब तालियां बजतीं तो उसकी आंख से एक आंसू गिरता। उस आंसू में साहित्य के पन्ने डूबते और सचिव जी की ठहाकों की परछाई तैरती। बाहर चप्पलें इंतजार करती रहीं लेकिन भीतर व्यंग्य ही मारा गया। यह मंच कोई अकादमिक समारोह नहीं था, यह व्यंग्य की शवयात्रा थी। अंतर यही था कि यहां लोग फूल नहीं, शब्द बरसा रहे थे, और शव वही कलम थी जिसे परसाई ने कभी धारदार बनाया था। वह धार अब जंग खाकर सचिव जी की जेब में रखी पार्टी का स्पून बन चुकी थी। जब समारोह खत्म हुआ, सारे लेखक उठकर फोटो खिंचवाने लगे। सचिव जी मुस्कुराए, फूल बरसे, ताले में बंद जूते अपनी निंदा का इंतजार करते रहे। किनारे खड़ी एक औरत चुप रही। उसकी आंखें सूजी हुई, होंठ फटे, दिल टूटा–वह वही थी जिसे दोषी बनाया गया था। उसके आंसुओं ने ही इस पूरे समारोह की असल पटकथा लिख दी थी। मंच पर तो तालियां बज रही थीं, लेकिन उस स्त्री के भीतर अनवरत चीखें गूंज रही थीं। और उन्हीं चीखों में व्यंग्य का अंतिम शब्द दर्ज हुआ–सचिव जी की बदमाशी साठ वर्ष की हो चुकी है, लेकिन न्याय आज भी अनाथ है। तभी हॉल से बाहर जाते समय लगा, जैसे परसाई जी खुद फुसफुसा रहे हों–व्यंग्य मर गया है, दोस्तों। उसे जूतों का संस्कार भी नसीब न हुआ। और हवा में वही करारा तमाचा गूंजता रहा।

कविता

कमलेश झा
नगरपारा, भागलपुर

माँ क्या होती है?

माँ वो धड़कन है,जो दिल से पहले चलती,
माँ वो दुआ है,जो हर संकट को हर लेती।

माँ का साया धूप में भी छाँव बन जाता,
थकी हुई आँखों में लोरी-राग सुनाता।

माँ के आँचल में,छिपा है सारा संसार,
ममता तले खिले हैं जीवन के हर रंग-रूप और प्यारअपार।

माँ का त्याग शब्दों में कह पाना होगा कठिन,
वो समंदर है,जिसकी गहराई का अंदाज़ा जटिल।

अपने अरमानों को अक्सर मौन तले दबा देती,
पर संतानों की ख्वाहिशों को आसमान बना देती।

सपनों की चादर को आँसुओं से सीया ,
खुद भूखी रहकर भी थाल बच्चों को दिया ।

माँ की दुआ बिना कहे भगवान तक पहुँच जाए,
बच्चे की आहट सुन माँ नींद से उठ आए।

माँ वो त्याग है,जो निवाला भी दे देती,
अंदर चाहे कितना भी ग़म हो,मुस्कान में ढाल देती।

माँ शब्द छोटा है,पर इसमें समाया है संसार,
माँ बिना जीवन मानो, लटका हो बिना किसी आधार।

उसकी घिसी हथेलियों की लकीरों में छिपे हैं घाव अनेक,
फिर भी होंठों पर मुस्कान,जिससे घर हो आलोकित नेक।

सोने के गहनों से अधिक,उसने बच्चे का चेहरा चाहा,
अपनी खुशियाँ गँवाकर भी बच्चों की हँसी में जीवन खपाया।

माँ ममता,सेवा,त्याग और आशीष की है मूरत,
उसकी सूरत के बिना घर मंदिर की अधूरी सीरत।

माँ स्वरूप है स्वयं भगवती का अवतार,
मंदिर नहीं,घर में ही मिलता उनका संसार।

सच कहो तो माँ का त्याग न कोई तौल पाएगा,
क्योंकि उसका जीवन केवल बच्चों की खुशी में समाएगा।

माँ वो दीपक है,जो खुद जलकर घर जगमगाती,
माँ वो शक्ति है,जो हर पल संतानों पर न्योछावर हो जाती।

कविता

अनिल कौशिक
कथाकार,कैथल
(हरियाणा)

पितृ देवो भव

याद कराते ग्रहण किये संस्कार।
बिछुड़ों का श्रद्धा भाव सत्कार ।।

विनय विवेक शील सत्य आचार ।
सोलह श्राद्ध पितृ पक्ष आधार।।

समृद्धि दायक दिवस पितृ सेवा ।
आशीष सुमति संपत्ति मेवा।।

पितृ देवो भव वेद-पुराण गाते।
वंश वृद्धि फले परिजन हर्षाते।।

पितृ लोक आत्माएं करें स्वागत।
पिंडदान पक्ष अमावस कनागत ।।

ब्राह्मण गौ कुत्ता कौवे का भोजन।
दक्षिणा सम्मान सफल आयोज।।

भूल त्रुटि क्षमा दया करें मर्जी।
जौं-तिल तर्पयामि स्वीकारेंअर्जी।।

सुविचार

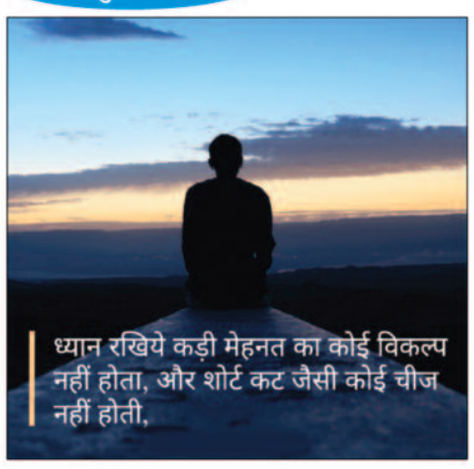

पितरों के प्रति समर्पण का अनूठा अवसर है सर्वपितृ अमावस्या

विजय कुमार शर्मा
विनायक फीचर्स

अमावस्या की शांति, आकाश का मौन और दीपक की लौ में झिलमिलाती श्रद्धाज यही वह क्षण है जब हम अपने पितरों का स्मरण करते हैं। पितृपक्ष का समापन सर्वपितृ अमावस्या से होता है, जिसे महालय अमावस्या भी कहा जाता है। यह दिन उन सभी ज्ञात-अज्ञात पितरों को समर्पित है जिनका श्राद्ध किसी कारणवश तिथि-विशेष पर नहीं हो सका। इसीलिए इसे सर्वपितृ अमावस्या कहा गया है। ऋग्वेद में पितरों का आह्वान करते हुए कहा गया है-

पितर्निनक्तोऽवसा गृणीषे
स्वधाभिर्मधुमद्भिर्घृतैश्च।
उप नः पीतये हविर्यजत्रा अग्ने तान्वक्षि यक्षि च
स्वधाभिः॥ (ऋग्वेद 10/15/1)

अर्थात्, हे अग्निदेव! स्वधा सहित पितरों को मधुर और घृतयुक्त हवि पहुँचाइए ताकि वे तृप्त हों और हमें आशीर्वाद प्रदान करें।

इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा, क्षिप्रा आदि नदियों के तट पर स्नान, पिंडदान और तर्पण का विशेष महत्व है। गया, हरिद्वार, काशी और पुष्कर जैसे तीर्थों में सर्वपितृ अमावस्या पर हजारों श्रद्धालु एकत्रित होकर श्राद्ध करते हैं। गया महात्म्य में उल्लेख है कि फल्गु नदी पर किया गया पिंडदान 21 पीढ़ियों तक के पितरों को मोक्ष प्रदान करता है।

गरुड़पुराण में स्पष्ट कहा गया है—
पितर्णां तु प्रसन्नानां प्रसन्नाः सर्वदेवताः।
तस्मात् सर्वप्रयत्नेन कार्यं श्राद्धं विशेषतः॥
(गरुड़पुराण, पूर्व 5/10)

अर्थात, जब पितर प्रसन्न होते हैं तो समस्त देवता भी प्रसन्न हो जाते हैं। अतः श्राद्ध विशेष प्रयासपूर्वक करना चाहिए। मनुस्मृति भी पितरों की तृप्ति को देवताओं की तृप्ति के समान मानती है–

श्राद्धेन पितरः तृप्ता देवा तृप्यन्ति तर्पणात्।
तर्पितैः पितृभिर्नित्यं तृप्तं भवति पावनम्॥
(मनुस्मृति 3/203)

अर्थात, श्राद्ध से पितर तृप्त होते हैं और पितरों की तृप्ति से देवता भी तृप्त हो जाते हैं। महाभारत के अनुशासन पर्व में भी यह सत्य प्रतिपादित हुआ है–

यत्पितर्णां तु संतोषः यद्देवानां च तर्पणम।
ऋषीणां चैव यत्प्रीतिः सर्वं श्राद्धे प्रतिष्ठितम्॥
(महाभारत, अनुशासन पर्व)

अर्थात,पितरों का संतोष, देवताओं का तर्पण और ऋषियों की प्रीति- ये सब श्राद्ध में प्रतिष्ठित हैं।

सर्वपितृ अमावस्या केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि यह जीवन-दर्शन है। यह हमें याद दिलाती है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े बिना भविष्य को मजबूत नहीं बना सकते। पितरों का स्मरण हमारे भीतर कृतज्ञता, श्रद्धा और विनम्रता को जागृत करता है। यही कारण है कि इसे पितृ तृप्ति दिवस कहा जाता है।

इस पावन अवसर पर अपने पितरों का स्मरण कर, विधि-विधान से तर्पण और पिंडदान करके हम न केवल उनका आशीर्वाद पाते हैं, बल्कि अपने जीवन को भी पुण्यमय और पावन बनाते हैं। यही सर्वपितृ अमावस्या का वास्तविक संदेश है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

सरगुजा रेंज में संभाग स्तरीय पुलिस समीक्षा बैठक संपन्न

आईजी ने लंबित प्रकरणों पर जताई सख्ती

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आईजी दीपक कुमार झा के नेतृत्व में पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में शनिवार को संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून व्यवस्था,लंबित अपराध, एनडीपीएस एक्ट व गौ तस्करी के प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में आईजी ने बताया कि एक वर्ष से अधिक समय से लंबित अपराधों की संख्या रेंज में 356 है। इनमें सरगुजा में 129,सूरजपुर में 33, बलरामपुर में 24, जशपुर में 102, कोरिया में 25, तथा एमसीबी में 43 प्रकरण हैं। उन्होंने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि

इन मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए राजपत्रित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करें और स्वयं निगरानी करते हुए विवेचना की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। एनडीपीएस एक्ट की समीक्षा करते हुए आईजी ने अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क और कोरियर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संपत्ति जब्ती, कुर्की और फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन जैसे कदम उठाकर एनडीपीएस प्रकरणों में गंभीरता से कार्रवाई की जाए। साथ ही गौ तस्करों के विरुद्ध भी एंड-टू-एंड कार्रवाई और जप्त वाहनों की राजसात की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए आईजी ने सभी जिलों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने गुंडा-बदमाशों की निगरानी, रात में होटल-ढाबों की समय पर बंदी, तथा संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल, एसपी सूरजपुर प्रशांत ठाकुर, एसपी जशपुर शशि मोहन सिंह, एसपी कोरिया रवि कुर्रे, एसपी एमसीबी चंद्रमोहन सिंह, एसपी बलरामपुर वैभव बैंकर सहित रेंज के लोग अभियोजन अधिकारी एवं कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

सीबीएसई के तत्वावधान में जीवन कौशल पर शिक्षक कार्यशाला

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के भुवनेश्वर स्थित उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में जीवन कौशल (मूलभूत) विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन महार्षि विद्या मंदिर, सकलो, अंबिकापुर में किया गया। कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्वलन, गुरु पूजन और भावातीत ध्यान के साथ हुई।

इस कार्यशाला में सरगुजा, बलरामपुर, सूरजपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्राचार्य हेमेंद्र मिश्रा के संरक्षण और मार्गदर्शन में किया गया। सीबीएसई द्वारा इस प्रशिक्षण हेतु सैनिक स्कूल अंबिकापुर के शिक्षक सौरभ कुमार जैन एवं बीरेंद्र कुमार डेहरी, प्राचार्य कुसमी पब्लिक स्कूल बलरामपुर को संसाधन व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया। दोनों प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को जीवन कौशल की अवधारणा,महत्त्व और उसकी कक्षा-कक्ष में उपयोगिता पर गहन जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बताया कि जीवन कौशल शिक्षा केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, व्यवहारिक और जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायक होती है। उन्होंने यह भी समझाया कि कैसे खेलकूद, समूह गतिविधियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और परियोजनाओं के माध्यम से जीवन कौशल विद्यार्थियों तक पहुंचाया जा सकता है। प्रतिभागी शिक्षकों ने कार्यशाला को प्रेरणादायक और अत्यंत लाभकारी बताया। एक शिक्षक ने कहा, हमने पहली बार इतने व्यवस्थित रूप से जीवन कौशल को पढ़ाने की विधियाँ सीखी हैं, जो कक्षा शिक्षण में अत्यंत उपयोगी होंगी।

कार्यशाला का समापन धन्यवाद ज्ञापन, प्रमाण पत्र वितरण और राष्ट्रगान के साथ किया गया। प्रतिभागियों ने ऐसी कार्यशालाओं को शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में मील का पत्थर बताया और भविष्य में इनका नियमित आयोजन करने का आग्रह किया।

शादी समारोह में आई युवती को बाइक पर बैठाकर ले गया,फिर 3 दोस्तों के साथ किया गैंगरेप

मिला 20 वर्ष सश्रम कारावास

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सहेली की शादी में शामिल होने गई एक आदिवासी युवती को परिचित युवक ने धोखे से बाहर बुलाया और बाइक पर बैठाकर साथ ले गया। इसके बाद पहले से वहां रहे 3 दोस्तों के साथ मिलकर उसने युवती से गैंगरेप किया। फिर युवती को छोड़कर चारों फरार हो गए। युवती की रिपोर्ट पर पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामला अप्रैल 2024 का है। मामले की सुनवाई अंबिकापुर के विशेष न्यायालय एट्रोसिटीज में हुई। इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायाधीश ने चारों आरोपियों को 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विशेष लोक अभियोजक नितेश चंद्र शुक्ला ने बताया कि मामला सीतापुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। अप्रैल 2024 में एक आदिवासी युवती अपनी सहेली की शादी में शामिल होने पहुंची थी। वह भीतर कार्यक्रम देख रही थी। रात साढ़े 11 बजे परिचित युवक जयकुमार यादव 21 वर्ष ने उसके मोबाइल पर कॉल किया और कहा कि बाहर आओ। हम दोनों शादी देखने ऊपर साइड जाएंगे। युवक की मंशा को युवती भांप नहीं पाई और वह बाहर आ गइ। इस दौरान युवक उसे बाइक पर बैठाकर गांव से बाहर सूनसान स्थान पर ले गया। यहां पहले से जयकुमार के दोस्त पुरूषोत्तम यादव, अजय बसोड़ व नीरज विश्वकर्मा भी मौजूद थे। इसके बाद उन्होंने युवती का मुंह दबाकर बारी-बारी से गैंगरेप किया।

मौके से हो गए थे फरार

गैंगरेप करने के बाद आरोपी युवती को वहीं छोड़कर फरार हो गए थे। इधर युवती किसी तरह घर पहुंची और मामले की जानकारी परिजनों को दी। फिर उसने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुएभारतीय दंड संहिता की धारा 376 (घ), 3(2) (वी) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

अंबिकापुर के विशेष न्यायालय एट्रोसिटीज में मामले की सुनवाई चल रही थी। युवती के बयान व घटनास्थल पर मौजूद साक्ष्यों के आधार पर न्यायाधीश अतुल कुमार श्रीवास्तव ने आरोपियों को गैंगरेप का दोषी पाया। इस पर अहम फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने चारों आरोपियों को 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया है।

सड़कों पर आवारा मवेशियों की आवाजाही पर प्रतिबंध,उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और जनधन की क्षति को देखते हुए एसपी राजेश कुमार अग्रवाल के प्रस्ताव पर प्रशासन ने आवारा पशुओं को सड़कों पर छोड़ने पर सख्त प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। यह प्रतिबंध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत लगाया गया है।

प्रशासन के अनुसार, जिले में पशु पालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक अपने पालतू पशुओं को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 पर लगभग 8 गायों की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गई, जो एक चिंताजनक स्थिति है। बरसात के मौसम में जब खेतों में फसलें होती हैं, तब चारे की कमी के कारण मवेशी सड़कों की ओर रुख करते हैं। सड़कों पर घुमते इन पशुओं के कारण वाहन चालकों को परेशानी होती है और दुर्घटना की संभावना

बढ़ जाती है। पूर्व में बनाए गए ग्राम और जिला स्तरीय नियंत्रण समितियों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। मुख्य रूप से पशुपालकों की गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाहीपूर्ण प्रवृत्ति इसके लिए जिम्मेदार मानी गई है। यदि कोई पशुपालक इन निर्देशों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-285 एवं 291, तथा पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा 11 (1) के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसमें जुर्माना और सजा दोनों का प्रावधान है। एसपी ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। ताकि जनसुरक्षा, यातायात व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

यह निर्देश जारी

1. सभी पशु पालक अपने पालतू पशुओं को बांधकर रखें।
2. किसी भी पशु को सड़क या सार्वजनिक स्थलों पर खुला न छोड़ा जाए, न ही उन्हें एकत्रित होने दिया जाए।

बड़ी बहन मोबाइल नहीं दिया तो 10वीं की छात्रा ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मोबाइल न मिलने से नाराज 10वीं कक्षा में पढने वाली एक छात्र जुआं मारने की दवा खा ली। तबियत बिगडने पर उसे स्थानीय अस्पताल के डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अंधला निवासी राधिका यादव 16 वर्ष 10वीं कक्षा की छात्रा थी। इन दिनों उसकी परीक्षा चल रही थी, लेकिन

वह अधिकांश समय मोबाइल में रील देखने व गेम खेलने पर व्यस्त रहती थी। शुक्रवार की रात बड़ी बहन सोनिया यादव 18 वर्ष ने उससे मोबाइल ले लिया और कहा कि परीक्षा चल रही है पढ़ाई करो। इस बात को लेकर दोनों बहनों के बीच काफी विवाद हुआ। इसी बीच बड़ी बहन ने मोबाइल छिपा दिया। बहन द्वारा मोबाइल छिपा दिए जाने से राधिका इतनी नाराज हो गई कि उसने घर में रखी जुआं मारने की दवा खा ली।

कुछ ही देर में उसकी तबियत बिगड़ गई। यह देख जब परिजनों ने पूछताछ की तो उसने जहर खाने की बात बताई। घटना से हड़बड़ाए परिजन राधिका को लेकर तत्काल लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

अंबिकापुर में सड़कों की बदहाली पर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर की खस्ताहाल सड़कों को लेकर शनिवार को युवा कांग्रेस,अंबिकापुर ब्लॉक द्वारा प्रदर्शन किया गया। पीजी कॉलेज के सामने कार्यकर्ताओं ने धरना दिया और सांकेतिक चक्काजाम कर डबल इंजन सरकार के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने शहर की जर्जर सड़कों पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में प्रधानमंत्री, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री, मुख्यमंत्री और भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल के पोस्टर लगाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार विकास के नाम पर जनता को सिर्फ धोखा दे रही है। युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शुभम जायसवाल के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने कहा कि अंबिकापुर की लगभग 70 प्रतिशत सड़कों की हालत बेहद खराब हो

चुकी है। बरसात में हालात और भी बदतर हो गए हैं। पानी से भरे गड्ढों के कारण राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि सड़क मरम्मत के लिए जिम्मेदार विभाग पूरी तरह संवेदनहीन हो चुके हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है यदि विभागों के पास फंड की कमी है, तो सांसद निधि, विधायक निधि, महापौर और पार्षद निधियों के साथ डीएमएफ फंड से सड़कों की मरम्मत कराई जाए। युवा कांग्रेस अम्बिकापुर ब्लॉक के अध्यक्ष शुभम जायसवाल ने कहा कि अम्बिकापुर 70 प्रतिशत सड़क जर्जर हो चुकी है। ट्रिपल इंजन की सरकार में विकास की ट्रिपल रफ्तार का नारा देकर निगम से देश की सत्ता तक पर काबिज भाजपा ने आम लोगों के साथ छलावा किया है। विकास के बजाय भाजपा की सरकारें भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है।

धरना प्रदर्शन करीब 1.5 घंटे तक चला, जिसके दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और भाजपा सरकार को जनता के हितों की अनदेखी करने वाली सरकार बताया। युवा कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सड़कों की मरम्मत नहीं हुई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, ब्लॉक कांग्रेस अम्बिकापुर शहर अध्यक्ष हेमंत सिंहा , ब्लॉक कांग्रेस अम्बिकापुर ग्रामीण अध्यक्ष विनय शर्मा , पापिन्दर सिंह, शैलेंद्र सोनी ,संजय सिंह,अमित तिवारी राजा, कलीम अंसारी, लुकस एक्का ,चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निक्की खान, निखिल विश्वकर्मा मौजूद रहे।

तातापानी चौकी पुलिस के हत्थे चढ़ा आदतन चोर

-संवाददाता-
तातापानी,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार बलरामपुर रा.गंज.जिले के ताता पानी पुलिस ने आदतन चोर आरोपी अभिषेक पन्ना उर्फ गुटखा पिता शिवनाथ पन्ना, निवासी ग्राम ताता पानी को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के अंदर। प्रार्थी अक्षय कुमार गुप्ता, निवासी ग्राम सारंगपुर चौकी तातापानी के द्वारा चौकी उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि ग्राम तातापानी दामोदरपुर में थनगांव रोड में मेरा ओम मोबाईल दुकान है, जिसमें मोबाईल मरमम्त एवं मोबाईल बिक्री का काम करता हूँ। दिनांक 13.09.2025 को शाम 07:00 बजे दुकान बंद करके मैं घर चला गया था। मेरे द्वारा दिनांक 14.09.2025 को 10:00 बजे दुकान खोल कर देखा तो दुकान का सीट उखड़ा था। दुकान का समान चेक करने पर 02 नग मोबाईल एवं काउंटर में रखा करीब 500रू नगद नहीं था। किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाया गया था, मेरे द्वारा दुकान में बगल में लगे सीसीटीवी में देखा एक अज्ञात चोर चोरी कर रहा है। जिसका पता साजी कर रहा था तभी पता चला कि ग्राम तातापानी का अभिषेक पन्ना उर्फ गुटखा पिता शिव नाथ पन्ना दुकान में रात में खुस कर चोरी किया है। इस संबंध में आवेदन पत्र पेश कर रहा हू। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर तातापानी पुलिस चौकी में पुलिस के द्वारा अपराध क्रमांक 160/2025 धारा 305(क) 331(4) कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने विवेचना दौरान संदिग्ध आरोपी अभिषेक पन्ना उर्फ गुटखा को हिरासत में लेकर कड़ाई से पुछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया तथा चोरी किया गया माल मशरूका आरोपी से बरामद किया गया। समाचार लिखे जाने तक तक आदतन चोर आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में प्रस्तुत नही किया गया है।

पीएम श्री आत्मानंद स्कूल में छात्राओं को मिली निशुल्क सरस्वती साइकिल

कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया वितरण,बालिकाओं के सम्मान और स्वावलंबन पर दिया जोर

-संवाददाता-
लखनपुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में 53 छात्राओं को निशुल्क सरस्वती साइकिल वितरित किया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में 53 छात्राओं को निशुल्क सरस्वती साइकिल वितरित की। अपने उद्बोधन में मंत्री अग्रवाल ने कहा कि इस विद्यालय से जुड़े अधिकांश अतिथि स्वयं भी कभी न कभी इसी स्कूल के छात्र रह चुके हैं और आज सभी मिलकर इसे और बेहतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही समाज और क्षेत्र का विकास संभव है छात्र-छात्राओं से मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर ही करना चाहिए।

उन्होंने बच्चों को संस्कारी, अनुशासित और गुणवान बनने की सीख दी तथा स्वरोजगार को अपनाने की प्रेरणा दी उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी सिर्फ नौकरी पर निर्भर न रहकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करे। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू एवं वरिष्ठ नेता राजेंद्र जायसवाल ने भी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और साइकिल वितरण को बालिकाओं के सम्मान एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने संस्कृत स्वागत गीत एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, राजेंद्र जायसवाल, रवि अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, शनि बंसल, सचिन बंसल, यतेंद्र पाण्डेय, प्राचार्य ऋषि पाण्डे, श्रवण साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में जामदोहर और सरगुजा-11 ने सुपर लीग में बनाई जगह

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को खेले गए दोनों मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। पहला मैच ब्राइट स्टार विश्रामपुर और फुटबॉल क्लब जामदोहर के बीच खेला गया, जिसमें ट्राई ब्रेकर में जामदोहर ने 4-3 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

खेल की शुरुआत में जामदोहर की टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और पेनल्टी चूकने के बावजूद एक गोल कर 1-0 की बढ़त बनाई। हालांकि, दूसरे हाफ में विश्रामपुर ने बेहतरीन तालमेल के साथ गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के कारण ट्राई ब्रेकर से परिणाम निकाला गया, जिसमें जामदोहर ने 4-3 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच सरगुजा 11 और फ्रेंड्स क्लब कंचनपुर के बीच खेला गया। पहले हाफ में कंचनपुर ने बढ़त बनाते हुए 1-0 से स्कोर किया। लेकिन दूसरे हाफ में सरगुजा 11 ने छोटे-छोटे पासों से खेलते हुए प्रकाश के शानदार गोल की मदद से बराबरी कर ली।

मैच ट्राई ब्रेकर में गया,जहां सरगुजा 11 ने 4-2 से जीत दर्ज कर सुपर लीग में स्थान पकका किया। मैच के निर्णायक विल्सन कुजूर,दिनेश तिर्की, पुनीत प्रकाश,अनुप्रास,अंकुश, आयुष,अखिलानंद,कमलेश व मंगल रहे। शनिवार को पहला मैच फुटबॉल क्लब कोटिया व ट्राइबल टाइगर अंबिकापुर और दूसरा मैच कर्मयोगी व संत इग्निसियस चर्च नमना के बीच खेला जाएगा।

CMYK

सड़क सुरक्षा और साइबर जागरूकता को लेकर सरगुजा पुलिस एवं स्कूल प्रशासन की संयुक्त बैठक,जागरूकता उत्पन्न करने शुरू की गई मुहीम

- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे पुलिस राजपत्रित... अधिकारियो ने की जिले के विभिन्न स्कूल संस्थानो के प्राचार्यो से की गई चर्चा...
- स्कूल संस्थानों मे बच्चों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने एवं सड़क... सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने हुई सार्थक बैठक...
- बच्चों को नशे की लत से दूर करने, संकल्प दिलाने सहित नशे के दुष्प्रभाव एवं नवाबिहान की कार्ययोजना को बताकर किया जायगा जागरूक...

सभी प्राचार्यो को समय समय पर पेरेंट्स मीटिंग लेकर विभिन्न समस्याओ पर चर्चा करने एवं बच्चों को ऑनलाइन गेम से दूर करने, जागरूक करने चलाया जायगा अभियान...

सक्रिय व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बच्चों के परिजनों एवं शिक्षको को जोड़कर बच्चों की समस्याओ का हल करने पर की गई चर्चा...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे आज दिनांक को रक्षित केंद्र अंबिकापुर के सभाकक्ष मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री राहुल बंसल (भा.पु.से.) के नेतृत्व मे संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे जिले के विभिन्न स्कूल संस्थानों के प्राचार्य एवं सरगुजा पुलिस के अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्राचार्यो एवं अधिकारियो/कर्मचारियों के जरिये स्कूली संस्थान मे अध्ययनरत छात्र छात्राओं मे यातायात के नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सड़क सुरक्षा के प्रति सजग बनाना, साइबर अपराधों के प्रति जानकार बनाना साथ ही ऑनलाइन गेम एवं नशे की बुरी लत के बारे मे जानकारी देकर युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए जागरूक करना था। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों ने अपने उदबोधन मे कहा कि बच्चों मे सुरक्षा की भावना और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए पुलिस और स्कूल प्रशासन का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। सभी स्कूल संस्थान यह सुनश्चित करें कि 18 वर्ष से कम आयु के छात्र छात्राएं दोपहिया वाहन लेकर स्कूल ना आये, स्कूल परिसर एवं परिसर के बाहर ऐसे वाहनों को खड़ा ना करने दिया जाए, बच्चों को लाने ले जाने मे प्रयुक्त वाहन मे सुरक्षा का ध्यान रखा जाए, सभी वाहनों मे जाली लगी हो, ऑटो एवं अन्य वाहनों मे सीट से ज्यादा संख्या मे बच्चों को ना भेजे, पालक स्वयं बच्चों को स्कूल लाये और ले जाए, आवश्यक पड़ने पर सुरक्षा मानको को पालन करने वाले अधिकृत बस वाहनों का उपयोग करें, वाहन चालकों एवं परिचालको की समय समय पर मेडिकल जांच कराई जाए,प्रत्येक स्कूल समय समय पर पेरेंट्स मीटिंग आयोजित करें, जिससे पालको एवं बच्चों से उनकी समस्याओ पर चर्चा की जा सके। नगर पुलिस अधीक्षक श्री राहुल बंसल (भा.पु.से.) द्वारा बैठक मे उपस्थित प्राचार्य एवं अन्य अधिकारियो/कर्मचारियों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीको से अवगत कराकर, संस्था प्रमुखो को उक्त जानकारी स्कूल के छात्र छात्राओं के बीच प्रसारित करने के निर्देश दिए गए, बच्चों के माध्यम से उक्त जानकारी माता पिता एवं अन्य परिजनों तक आसानी से पहुंचाई जा सकेगी, जिससे जनजागरूकता की मुहीम को आगे बढ़ाया जा सकेगा, स्कूल के माध्यम से छात्र छात्राओं के परिजनों एवं स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओ को सरगुजा पुलिस का ऑफिसियल पेज फॉलो करने की जानकारी दी गई, Surguja Police Official के फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम एवं एक्स पेज को फॉलो करने पर विभिन्न प्रकार की जानकारी, सचेत सम्बन्धी पोस्ट, जागरूकता थीम आधारित विडिओ पोस्ट किये जाते है, जिससे आमनागरिक जागरूक होकर कई प्रकार के अपराधों से बचाव कर सकते है, नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर द्वारा सभी संस्थानों के प्राचार्यो को स्कूल के सभी गेट मे सुरक्षा गॉर्ड तैनात करने के निर्देश दिए गए एवं स्कूल के सामने की सड़क को बाधित करने से रोकने हेतु स्पष्ट निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान सरगुजा पुलिस एवं विभिन्न स्कूली संस्थानों की एक साझा व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के सम्बन्ध मे चर्चा की गई, जिसके माध्यम से बच्चो की समस्याओ का त्वरित समाधान किया जा सकेगा, बैठक के दौरान सभी संस्था प्रमुखो को वरिष्ठ अधिकारियो के मोबाइल नम्बरो से अवगत कराया गया साथ ही किसी भी आपातकालीन स्थिति मे उपयोग मे आने वाले नम्बरो (1930, 1098, 181, 112) की जानकारी भी संस्था प्रमुखो को दी गई। संयुक्त बैठक मे यातायात प्रभारी उप निरीक्षक विजय केवर्त, एवं विभिन्न स्कूली संस्थाओ के प्राचार्य सहित लगभग 52 अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस के द्वारा विभिन्न प्रकरणों में जप्त किए गए मादक पदार्थों का किया नष्टीकरण

-संवाददाता-
बलरामपुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला बलरामपुर रा.गंज. पुलिस की कार्यवाही में जप्त किए गए मादक पदार्थों का किया गया नस्तिकरण। जानकारी के अनुसार स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 तथा भारत सरकार की अधिसूचना (राजपत्र, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली दिनांक 23.12.2022) के अंतर्गत गठित उच्च एवं जिला स्तरीय औषधि निपटान समिति द्वारा जिला बलरामपुर रामानुजगंज में मादक पदार्थों के नष्टीकरण की कार्यवाही दिनांक 20.09.2025 को संपन्न कराई गई। यह कार्रवाई गठित जिला स्तरीय निपटान समिति के अध्यक्ष वैभव बैंकर, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर एवं टीम की उपस्थिति में पारदर्शिता एवं विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए थाना कोतवाली अंतर्गत ऑफिसर्स क्लब के पीछे निर्धारित स्थान पर की गई, जिसकी संपूर्ण कार्यवाही का फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कर अभिलेख सुरक्षित रखा गया है। नष्टीकरण हेतु प्रस्तुत प्रकरणों में थाना रामानुजगंज, थाना बसंतपुर, थाना पस्ता, थाना रघुनाथनगर के वे अपराध शामिल थे, जिनका निराकरण माननीय न्यायालय द्वारा किया जा चुका है। इनमें थाना रामानुजगंज के अपराध क्रमांक 87/2023, 125/2023, 84/2008, 174/2014, 56/2020, 113/2020, 47/2022, 308/2022, 172/2023, 192/2023, 241/2023, 251/2023, 23/2024, 77/2024, 147/2024, 168/2024, 185/2024, थाना बसंतपुर के अपराध क्रमांक 126/2016, 37/2023, 47/2023, 144/2023, 58/2024, 95/2024,

152/2024, थाना पस्ता का अपराध क्रमांक 74/2024, थाना रघुनाथनगर का अपराध क्रमांक 05/2025 एनडीपीएस एक्ट सम्मिलित थे। इन प्रकरणों से संबंधित जप्तशुदा मादक पदार्थों में गांजा 135.180 किलोग्राम, गांजा का पौधा 42 नग, नशीली कफ सिरप 1851 नग, नशीली टेबलेट 1838 नग, नशीला इंजेक्शन 724 नग इन सभी प्रतिबंधित मादक पदार्थों को समिति के पंचों की उपस्थिति में जलाकर नष्ट किया गया। कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर (भापुसे) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी, एस एस साहू, सहायक आबकारी आयुक्त बलरामपुर, संबंधित थाना प्रभारी एवं डीसीआरबी शाखा के स्टाफ की उपस्थिति में एनडीपीएस के प्रकरणों में जप्त नशीले पदार्थों का विधिवत नस्टिकरण किया गया है।

रोपाखार 'मैनपाट' में शुरू हुआ देश का पहला ग्रामीण गार्बेज कैफ़े

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने श्रमदान कर किया गया प्लास्टिक अपशिष्ट का संग्रहण

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सरगुजा जिले के मैनपाट जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत रोपाखार में आज देश का पहला ग्रामीण गार्बेज कैफ़े शुरू किया गया। यह कैफ़े स्थानीय स्तर पर प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिला प्रशासन सरगुजा, एलआईसी एचएफएल ग्रीन टुमॉरो परियोजना तथा फिनिश सोसायटी की अनूठी पहल है। ग्रामीण गार्बेज कैफ़े का शुभारंभ मैनपाट जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संतोषी पैकरा, उपाध्यक्ष श्री अनिल सिंह, सरपंच, उपसरपंच एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने सामूहिक रूप से किया। कैफ़े का संचालन कार्ब हट किचन, रोपाखार में किया जाएगा। जहां 1 किलो प्लास्टिक (सफेद प्लास्टिक,पानी की बोतल,एल्युमिनियम केन, कांच की बोतल) देने पर नाश्ता मिलेगा और 2 किलो प्लास्टिक देने पर भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संतोषी पैकरा ने कहा कि मैनपाट सरगुजा की पहचान है और इसे स्वच्छ व सुघ्घर रखना हम सबका दायित्व है। जिला प्रशासन ने प्लास्टिक कचरे से मुक्ति दिलाने की अभिनव पहल की है, जिसके लिए हम मैनपाट की जनता की ओर से आभार व्यक्त

करते हैं। ग्राम पंचायत रोपाखार के उप सरपंच श्री रजनीश पांडेय ने कहा कि मैनपाट में विविध समुदाय के लोग रहते हैं और यहां लगातार पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में स्वच्छ और सुंदर मैनपाट हमारी जिम्मेदारी है, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण मिले और हमारे गांव का नाम रोशन हो। जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने बताया कि 17 सितम्बर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में मैनपाट जैसे हिल स्टेशन पर प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रहण और जागरूकता के लिए ग्रामीण गार्बेज कैफ़े का नवाचार किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को 'कचरा लाओ और खाना पाओ' जैसी सरल व्यवस्था से स्वच्छता के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि कैफ़े से संग्रहित प्लास्टिक अपशिष्ट का निपटान जिला स्तरीय प्लास्टिक प्रोसेसिंग यूनिट में किया जाएगा। यहां स्व-सहायता समूह की महिलाएं इस प्लास्टिक से दाना, रस्सी और कुर्सी जैसे उपयोगी उत्पाद तैयार करेंगी। इससे न केवल अपशिष्ट प्रबंधन होगा बल्कि महिलाओं की आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे। सीईओ श्री अग्रवाल ने बताया कि स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने जिला में विशेष पहल किए गए है जिसमें जिला स्तरीय प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई केंद्र/एमआरएफ का संचालन। सभी ग्रामों में डोर टू डोर कचरा संग्रहण, पृथक्करण, विक्रय व यूज़र चार्ज वसूली पर सतत कार्य। दिसम्बर 2025 तक जिले के सभी ग्रामों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन युक्त बनाने की दिशा में नियमित कार्य। जिले के सभी स्कूलों में बाल स्वच्छता क्लब/ईको क्लब का गठन एवं क्रियान्वयन। निर्मित स्वच्छता परिसंपत्तियों के सतत उपयोग, रख-रखाव और जनजागरूकता हेतु नियमित प्रयास। ग्रामीण क्षेत्रों व पर्यटन स्थलों के आसपास प्लास्टिक बैंक स्थापना और रख-रखाव की दिशा में निरंतर कार्य। जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता बैरियर की स्थापना कर स्वच्छाग्रही एवं ग्राम पंचायतों के सहयोग से ठोस कार्यवाही किए जा रहे हैं। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत रोपाखार के साप्ताहिक बाजार परिसर में आज श्रमदान कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्वच्छताग्राही, ग्रामीणजन एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर बाजार क्षेत्र की सफाई की तथा आसपास फैले प्लास्टिक अपशिष्टों का संग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान दुकानदारों से अपील की गई कि वे नियमित रूप से यूज़र चार्ज का भुगतान करें। जिससे स्वच्छताग्राही दीदियों की आजीविका भी मजबूत होगी, जो गांव-गांव में सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य कर रही हैं। इस दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री अनिल सिंह, तिब्बती कॉलोनी सेटलमेंट अधिकारी सुश्री यंगत्सो, सरपंच रोपाखर श्री सुखु मांझी, कमलेश्वरपुर सरपंच श्रीमती घुरनी सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सभी शिक्षक और छात्रों के द्वारा स्वच्छता की ली गई शपथ

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसा में आज छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती 2025और सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सभी शिक्षक और छात्रों के द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई सभी ने अपने आसपास मोहल्ले और 10 लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संदेश देते हुए कहा की स्वच्छ शरीर में स्वच्छ मन का निवास होता है विद्यालय प्राचार्य श्रीमती प्रभा सिंह के द्वारा बच्चों को स्वच्छता के संबंध में किस प्रकार हमें हाथ धोना चाहिए समय पर नहाना चाहिए समय पर भोजन करना चाहिए और साफ सुथरा स्वच्छ कपड़े पहनना चाहिए अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए और लोगों को स्वच्छता के साथ व्यवहार करने की बातें छात्रों और शिक्षकों को उनके द्वारा बताई गई विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, इको क्लब ,स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं के द्वारा विद्यालय प्रांगण की सफाई की गई और एक पेड़ मां के नाम लगाए गए पौधों को साफ सफाई के साथ उन्हें संरक्षित किया गया अंत में प्राचार्य श्रीमती प्रभा सिंह के द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को उनके नेक कार्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की।

नवरात्रि और मूर्ति विसर्जन को लेकर कलेक्टर ने जारी की गाइडलाइन,पंडाल-ध्वनि यंत्र-पर्यावरण नियमों का पालन अनिवार्य

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि पर्व एवं आगामी मूर्ति विसर्जन को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सरगुजा ने जिले में शांति, सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने हेतु विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। आदेश में आयोजन समितियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं नागरिकों को पालन करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये गये हैं।

पंडाल व्यवस्था : सड़क पर पंडाल लगाकर मार्ग अवरुद्ध नहीं किया जायेगा। अस्पताल, विद्यालय, एम्बुलेंस व फायर ब्रिगेड के आवागमन में बाधा नहीं आनी चाहिए। पंडाल लगाने के लिए यातायात, पुलिस एवं नगर निगम से अनुमति आवश्यक होगी। पंडाल

एवं आसपास सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाये जायेंगे। विसर्जन उपरांत 12 घंटे के भीतर पंडाल व स्ट्रक्चर हटाना होगा। पंडालों में डस्टबिन रखना, प्लास्टिक सामानों का उपयोग न करना और केवल पत्तों के दोना-पत्तल का प्रयोग करना होगा। प्रसाद वितरण के दौरान वाहनों को रोकना व सड़क पर गंदगी फैलाना प्रतिबंधित रहेगा। पंडाल के आसपास व्यवस्था हेतु वालंटियर्स नियुक्त कर उनकी सूचना पुलिस को देना अनिवार्य होगा। गरबा नृत्य आयोजन हेतु संबंधित एसडीएम से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा।

मूर्ति स्थापना : केवल मिट्टी से बनी मूर्तियों की स्थापना की अनुमति होगी। प्लास्टर ऑफ पेरिस एवं केमिकल रंग से बनी मूर्तियों की बिक्री और स्थापना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। मुख्य पंडाल के बाहर अतिरिक्त मूर्ति रखने की अनुमति नहीं होगी।

ध्वनि विस्तारक यंत्र : ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग केवल सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही किया जा सकेगा। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक इसका उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ध्वनि स्तर 45 से 70 डीबी तक सीमित रहेगा तथा सभी यंत्र साउंड लिमिटर से युक्त होने चाहिए। बिना अनुमति व नियम विरुद्ध यंत्रों का उपयोग करने पर जप्ती और आपराधिक प्रकरण दर्ज होंगे। धार्मिक उन्माद फैलाने वाले व अश्लील गानों पर पूर्णतः रोक रहेगी।

मूर्ति विसर्जन व्यवस्था : प्रतिमा विसर्जन केवल निर्धारित स्थल व पूर्व निर्धारित रूट के अनुसार ही होगा। सड़क किनारे मंच बनाने की अनुमति नहीं होगी, उल्लंघन पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। बच्चों को विसर्जन स्थल पर न ले जाने की अपील की गई है। नगर निगम द्वारा पर्याप्त स्टाफ, क्रेन, गोताखोर एवं जेसीबी की व्यवस्था की जाएगी। घाटों की पूर्व सफाई, पर्याप्त प्रकाश एवं सुरक्षा व्यवस्था अनिवार्य होगी। राज्य विद्युत मंडल को विसर्जन के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और आपात स्थिति में त्वरित सुधार दल तैनात करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर ने सभी अनुभागीय दण्डाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित कर एसओपी के पालन की निगरानी करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही इस आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

भफौली स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छता अभियान,सांसद चिंतामणि महाराज हुए शामिल

सेवा पखवाड़ा 2025 अंतर्गत कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने मिलकर भफौली स्वास्थ्य केंद्र व मंदिर परिसर का किया कायाकल्प

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत स्वच्छता और जनभागीदारी को नई दिशा देने हेतु आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भफौली में एक बृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने किया। वहीं इस अवसर पर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज विशेष रूप से उपस्थित होकर भाजपा पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणजनों के साथ श्रमदान में शामिल हुए। भाजपा मंडल परसा, महामाया, समलाया तथा भाजपा सरगुजा जिले के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गड्ढे पाटे,घास-झाड़ियां साफ कीं,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन की पोताई की और मंदिर परिसर में विशेष साफ-सफाई कर ध्वज फहराए। श्रमदान के इस अद्भुत दृश्य ने गाँव में एक नया उत्साह पैदा किया। सांसद चिंतामणि महाराज ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा पूरे देश में जनहित के कार्यक्रमों के रूप में मनाया जा रहा है। यह केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का कायाकल्प केवल सफाई भर नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, स्वच्छता और जनकल्याण का प्रतीक है। आने वाले समय में इस केंद्र के बेहतर विकास और साज-सज्जा का पूरा प्रयास किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों को 'सेवा ही संगठन' का मंत्र दिया है। सेवा पखवाड़ा उसी विचार का विस्तार है, जहां समाज के हर वर्ग को सेवा, स्वच्छता और समर्पण से जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भफौली में जिस तरह से भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने श्रमदान कर गड्ढे पाटे, घास-झाड़ियां हटाईं, भवन की पोताई की और मंदिर की साफ-सफाई कर ध्वज लगाए, यह एक प्रेरणादायक उदाहरण है। आगे उन्होंने कहा कि यह केवल एक दिन का अभियान नहीं है, बल्कि यह संकल्प है कि हम सभी अपने-अपने ग्राम, मोहल्ले और संस्थानों को स्वच्छ और सुन्दर बनाएँ। स्वच्छता केवल दिखावे की चीज नहीं, बल्कि यह स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत की नींव है। श्री सिसोदिया ने कहा कि आज हमारे कार्यकर्ताओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सामूहिक प्रयास हो, तो किसी भी स्थान का कायाकल्प संभव है। जिस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को लोग उपेक्षित मानते थे, उसी को आज श्रमदान से नए रूप में खड़ा किया गया। मैं सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और ग्रामीणजनों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। आपने जो समर्पण दिखाया है, वही भारतीय जनता पार्टी की असली पहचान है। आने वाले समय में हम ऐसे कार्यक्रमों को और भी व्यापक स्तर पर करेंगे ताकि सेवा पखवाड़ा वास्तव में समाज को जोड़ने का माध्यम बने। कार्यक्रम के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामवासियों ने मिलकर सामूहिक भोजन किया और सामाजिक एकजुटता का परिचय दिया। श्रमदान से सुसज्जित हुआ स्वास्थ्य केंद्र और स्वच्छ मंदिर परिसर ग्रामीणजनों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष नीरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया, सभापति हरमिन्दर सिंह, जिलाउपाध्यक्ष अम्बिकेश केशरी, विनोद हर्ष, निलेश सिंह, गोल्डी बिहाड़े, जन्मेजय मिश्रा, मनीष सिंह, इंदर भगत, विजय व्यापारी, विद्यानंद मिश्रा, रुपेश दुबे, संतोष दास, संतोष जायसवाल, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, निश्चल प्रताप सिंह, मनोज गुप्ता, रिंकू वर्मा, अनिल तिवारी,

अभिषेक सिंह देव, अजय प्रताप सिंह, गौतम विश्वकर्मा, रमेश जायसवाल, अनामिका सिंह, सोनिका सोनपाकर, राजू पाण्डेय, शशिकांत जायसवाल, निरंजन राय, अवधेश सोनकर, नकुल सोनकर, सालेम करकेट्टा, रविकांत उराव, नीलम रजवाड़े, जतिन परमार, संजय पाण्डेय, अजय सोनी, मयंक जायसवाल, अनीस सिंह, निशांत सिंह, सीमा कश्यप, इंदु नेताम, मार्कण्डेय तिवारी, किसन केशरी, दीपक सोनी, धर्मेंद्र जायसवाल, भूपेंद्र सिंह, जगजीवन राम, सतीश शर्मा, विकास सोनी, रूपा गुप्ता, काशी केशरी, मनोज प्रसाद, अंजय गुप्ता, पुष्पेंद्र शर्मा, नईहर साय, रुपदेव पैकरा, जफ़र खान, अरुण तिवारी, सत्यम सिंह, शम्भू सोनी, रंजीत चौबे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

क्या स्थानांतरण होगा शासन की मर्जी से जाएंगे अधिकारी अपनी मर्जी से?

तबादले के 15 दिन बाद भी कार्यालय उप संचालक ऋतु साहू नहीं हुईं कार्यमुक्त,दीपावली के बाद कार्यमुक्त होने की हो रही बातःसूत्र

क्या स्थानांतरण आदेश सिर्फ कागजों पर होंगे उसका पालन करना अधिकारियों का दायित्व नहीं?

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,20 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।
कोरिया जिले के जिला पंचायत में पदस्थ उप संचालक ऋतु साहू का 15 दिनों पूर्व सरगुजा जिले के लिए स्थानांतरण पंचायत संचालनालय द्वारा किया गया था और यह माना जा रहा था कि वह सरगुजा जिले के लिए जल्द ही कार्यमुक्त होकर चली जायेंगी लेकिन बताया जा रहा है कि 15 दिनों बाद भी वह कार्यमुक्त नहीं हो सकी हैं और वह अभी और कुछ दिनों तक कोरिया जिले में रहने वाली हैं और ऐसी उनकी खुद की मंशा से हो रहा है। वैसे अधिकारी कर्मचारी का तबादला शासन से तब तय किया जाता है जब शासन ऐसा किया जाना जरूरी समझती है और या तो लंबी अवधि तक एक जगह कार्यरत को हटाने की प्रक्रिया नियम के तहत यह स्थानांतरण किए जाते हैं या फिर दोषपूर्ण कार्यप्रलाणी या शिकायतों के आधार पर किसी को हटाया जाता है वहीं शासन यह सुनिश्चित भी करना चाहती है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने उपरांत या जब स्थानांतरण आदेश जारी किए जाएं तब संबंधित जिसका स्थानांतरण किया गया है वह तत्काल कार्यमुक्त भारमुक्त होकर नई पदस्थापना स्थल के लिए रवाना हो जाए और नए कार्यस्थल पर ही वह आगे से कार्य करे,ऋतु साहू के मामले में ऐसा नजर नहीं आ रहा है और वह 15 दिनों बाद भी कोरिया जिले में ही जमी हुई हैं जबकि उन्हें सरगुजा के लिए भारमुक्त होकर चले जाना चाहिए था,ऋतु साहू के मामले के बाद एक सवाल और खड़ा होता है वह यह कि क्या शासन की मर्जी से स्थानांतरण आदेश मात्र जारी होते रहेंगे और अधिकारी कर्मचारी अपनी मंशा से ही नए जगह जाना नहीं जाना तय करेंगे? ऋतु साहू का 15 दिनों बाद भी कोरिया जिले में ही बने रहना यह बतलाता है कि वह शासन के स्थानांतरण आदेश को ही धता बताने में लगी हुई हैं। वैसे कोरिया जिले से बड़ा जिला उन्हें स्थानांतरण उपरांत मिला है और वह बड़े जिले में क्यों नहीं जाना चाहती हैं जल्द सवाल यह भी है। ऋतु साहू को लेकर कोरिया जिले में यह भी देखा गया है कि उनके कार्यकाल में जिला पंचायत में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था जिसमें एक कीट खरीदी की बात भ्रष्टाचार से जुड़ी सामने आई थी और जो उनके ही देखरेख और निगरानी में खरीदी गई थी जिसमें भ्रष्टाचार हुआ था,वैसे क्या वह अपने अब तक के कार्यकाल के भ्रष्टाचार को मिटाने के लगी हुई हैं इसलिए वह कार्यमुक्त होने से फिलहाल बच रही हैं? शासन कई मामलों में आदेश जारी करने उपरांत यह भी आदेश जारी करता नजर आता है कि स्थानांतरित अधिकारी कर्मचारी तत्काल ही नई जगह के लिए भारमुक्त किए जाएं लेकिन ऋतु साहू के मामले में क्यों ऐसा नहीं होता नजर आ रहा?

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले को मिली एक और बड़ी सौगात

सीसीरिंगा से महलंग सहसपुर सड़क की निर्माण के लिए मिली 6 करोड़ 91 लाख रुपए की मंजूरी,ग्रामीणों में खुशी की लहर

-संवाददाता-
जशपुरनगर,20 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।
जिले के सड़कों की तस्वीर तेजी से बदल रही है, प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और निरंतर प्रयासों से जिले के विकास कार्यों में लगातार नई कड़ियाँ जुड़ रही हैं।ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को मजबूत आधारभूत संरचना से जोड़ने के लिए राज्य सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है।इस बार जिले के लिए जिस कार्य को मंजूरी मिली है, वह है सीसरिंगा से महलंग होते हुए सहसपुर मार्ग 6.5 किलोमीटर का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए 6 करोड़ 91 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।लंबे समय से क्षेत्रवासियों की यह मांग पूरी होने जा रही है।इस सड़क निर्माण से न केवल ग्रामीणों को आवागमन में सुगमता मिलेगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। किसानों को अपनी फसलों और उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने में आसानी होगी।साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों में भी तेज़ और सुरक्षित यातायात सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सौगात मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है। उनका कहना है कि इस सौगात से गांव-गांव में विकास की गति और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

लंबे समय से राहगीरों और ग्रामीणों की समस्या अब खत्म होने जा रही है। बरसात के दिनों में कीचड़ और धूल भरी गर्मी के मौसम में उठने वाली परेशानी से अब लोगों को निजात मिलेगी। क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों की स्वीकृति और तेजी से हो रहे विकास कार्यों से लोगों को बेहतर सुविधा मिलने वाली है।

ग्रामीणों ने बताया कि अब तक बरसात के समय कच्ची सड़कों पर चलना बेहद कठिन हो जाता था। कीचड़ और गड्ढों की वजह से न केवल राहगीरों को दिक्कत होती थी बल्कि स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों और किसानों को भी आवागमन में भारी दिक्कत झेलनी पड़ती थी।सड़क निर्माण हो जाने से क्षेत्र वासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा होगी।

बगीचा में आधुनिक इनडोर बैडमिंटन स्टेडियम का निर्माण प्रारंभ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से जशपुर बन रहा खेलों का नया केंद्र, तेजी से सुविधाएं की जा रही है विकसित

-संवाददाता-
जशपुरनगर,20 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में खेल प्रतिभाओं को पहचान और बेहतर अवसर दिलाने की दिशा में प्रदेश सरकार दूरदर्शी सोच के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री की मंशा है कि जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी अपनी चमक बिखेरें और देश व राज्य का नाम गौरवान्वित करें। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देश पर ही खेल मैदानों और आवश्यक अधोसंरचनाओं के निर्माण की लगातार स्वीकृति दी जा रही है। साथ ही निर्माण भी कार्य सतत् रूप से जारी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री साय के कार्यकाल में 2.83 करोड़ लागत के बगीचा में स्वीकृत हुए आधुनिक इनडोर बैडमिंटन स्टेडियम का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है। इस स्टेडियम में वुडन फ्लोरिंग युक्त दो बैडमिंटन कोर्ट होंगे। साथ ही खिलाड़ियों के लिए ड्रेसिंग रूम, बैठने की व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएँ भी विकसित की जाएँगी।

क्षेत्रवासियों और खिलाड़ियों ने इस पहल पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। उनका कहना है कि अब उन्हें बड़े शहरों जैसी खेल सुविधाएँ अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होंगी, जिससे बेहतर खिलाड़ी उभर के सामने आएंगे।

खेल ग्राउंड सहित जरूरी अधोसरंचना निर्माण की निरंतर मिल रही हैं स्वीकृतियाँ

आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिले के खिलाड़ियों ने अपने मेहनत और प्रतिभा से तीरंदाजी,ताईक्वांडो तैराकी, एथेलेटिक्स और हॉकी में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले को खेल की दुनिया में एक अलग पहचान दिलाने दृढ़संकल्पित है। उनके प्रयास स्वरूप सन्ना में आधुनिक सुविधाओं से लैस तीरंदाजी अकादमी और कुनकुरी में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्वीकृति प्रदान की गई है। रणजीता स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ ग्रास और एलईडी डिस्प्ले लगाने की घोषणा। जिला मुख्यालय जशपुर में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान के पास बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण कार्य जारी है। इसके साथ ही मयाली में एडवेंचर स्पोर्ट्स संचालित है। जशपुर के घोलेंग में फुटबॉल स्टेडियम का निर्माण के लिए भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है। इसके अलावा नगरीय क्षेत्र से लेकर गांव तक के स्टेडियम व मैदानों की जीर्णोद्धार की निरंतर स्वीकृति दी जा रही है।

खिलाड़ियों,नागरिकों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और खेल प्रेमियों का कहना है कि मुख्यमंत्री श्री साय ने हमेशा खेलों को समाज और युवाओं के विकास का माध्यम माना है। उनकी प्राथमिकताओं में खेल सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण अंचलों तक खेल अधोसंरचना उपलब्ध कराना शामिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जशपुर के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए और अधिक तैयार हो पाएंगे। यह पहल जिले में खेल संस्कृति को नई पहचान दिलाएगी और आने वाली पीढ़ियों को खेलों की ओर प्रेरित करेगी।

भाजपा शिक्षा शौकीन सरकार नहीं शराब शौकीन सरकार बन चुकी है:पूर्व विधायक गुलाब कमरो

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,20 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।
प्रदेश के उद्योग एवं आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा जिले में प्रीमियम शराब दुकान खोले जाने की घोषणा को लेकर राजनीति गरमा गई है। इस बयान पर पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और भाजपा सरकार पर प्रदेश के भविष्य से खिलवाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है।

गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश में जहां शिक्षा और उद्योगों पर ध्यान देने की जरूरत है, वहीं सरकार नशे को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा उद्योग मंत्री उद्योग लगाने की बजाय प्रीमियम शराब दुकानों की बात कर रहे हैं। यह प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। आबकारी मंत्री होकर भी अवैध और मिलावटी,शराब पर प्रतिबंध नहीं लग पा रहे, पूरे प्रदेश में अवैध शराबी और मिलावटी शराब बिक रही है जिससे सरकार को राजस्व की हानि हो रही है और युवा वर्ग के स्वास्थ्य और भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पूर्व विधायक ने याद दिलाया कि कांग्रेस शासनकाल में जब वे विधायक थे, तब भाजपा कार्यकर्ता उनके कार्यालय के सामने पव्वा लेकर धरना देते थे, लेकिन आज जब प्रीमियम शराब दुकानें खोली जा रही हैं तो वही लोग चुप्पी साधे बैठे हैं।

भाजपा सरकार अब शराब की शौकीन सरकार बन चुकी है...

उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा भाजपा सरकार अब शराब की शौकीन सरकार बन चुकी है। अपराध, घरेलू हिंसा और सड़क हादसों की जड़ यही शराब है। रायपुर को विदेशी पैटर्न की पार्टियों के अड्डे में बदलने की तैयारी चल रही है। गुलाब कमरो ने आगे कहा कि प्रदेश में शिक्षा और उद्योगों को दरकिनार कर सरकार खुलेआम नशे का साम्राज्य खड़ा कर रही है। इसके चलते प्रदेश में अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है और युवा वर्ग गलत दिशा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने जनता से भी अपील की कि आने वाले समय में इस शराब नीति का विरोध करें और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा व उद्योगों को प्राथमिकता देने वाली नीतियों की मांग करें।

चिरमिरी में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान,महापौर के नेतृत्व में शहरवासियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

-संवाददाता-
एमसीबी,20 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।
नगर पालिक निगम चिरमिरी द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत शहरभर में विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर चिरमिरी महापौर रामनरेश राय, सभापति संतोष सिंह, आयुक्त रामप्रसाद आचला, समस्त एमआईसी प्रभारी रामऔतार, पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधि, स्वच्छता प्रभारी उमेश तिवारी, स्वच्छता निरीक्षक राम गोपाल मालिक, जिला समन्वयक पीआईयू प्रवीण कुमार सिंह एवं पूरी स्वच्छता टीम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अभियान के दौरान शहर के प्रमुख तीर्थ स्थल जगन्नाथ मंदिर, पर्यटन स्थल, मुख्य चौराहे, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थल, उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र चिरमिरी, प्रतीक्षा बस स्टैंड गोकुल नगर और पोंडी क्षेत्र में व्यापक सफाई कार्य किया गया। साथ ही नागरिकों को स्वच्छता का संदेश देते हुए शपथ भी दिलाई गई। यह अभियान न केवल स्वच्छता को लेकर जनजागरूकता का प्रतीक बना बल्कि शहरवासियों में स्वच्छ और स्वस्थ चिरमिरी के निर्माण का संकल्प भी लिया गया।

ग्राम पंचायत लालपुर में स्वच्छता पखवाड़ा एवं पोषण माह का संयुक्त आयोजन

-संवाददाता-
एमसीबी,20 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।
ग्राम पंचायत लालपुर में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान,स्वच्छता शपथ, नशामुक्त भारत, स्वच्छता रैली एवं पोषण माह का संयुक्त आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर डी राहुल वेंकट के निर्देशन तथा जिला पंचायत CEO अंकिता सोम के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती उर्मिला, जनपद सदस्य श्रीमती कविता, सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती शिल्पा अग्रवाल, स्वच्छता समन्वयक श्रीमती प्रभा पयासी, सचिव श्री भुवनेश्वर कुमार पैकरा, शिक्षकगण, स्वच्छता ग्राही, कार्यकर्ता, हितग्राही एवं बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं हितग्राहियों को पोषण माह एवं स्वच्छता पखवाड़ा के महत्व की जानकारी दी गई। इसके उपरांत सभी को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण पोषण एवं स्वच्छता रैली के साथ हुआ, जिसमें ग्रामवासी सक्रिय रूप से शामिल हुए और जनजागरूकता का संदेश दिया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं,गगनमोहन छबड़ा (GAGANMOHAN CHHABRA), पिता गुरुचरण सिंह छबड़ा (GURUCHARAN SINGH CHHABRA) निवासी थाना रोड, नियर पावर हाउस,मायापुर, अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) 497001 ने अपना नाम परिवर्तित कर लिया है। अब से मेरा नया नाम गगनमोहन सिंह छबड़ा (GAGANMOHAN SINGH CHHABRA) होगा। संबंधित अधिकारियों एवं सभी व्यक्तियों से अनुरोध है कि इसे नोट कर लें और सभी भावी प्रयोजनों हेतु इसी नाम का उपयोग करें।

शपथकर्ता
नाम गगनमोहन सिंह छाबड़ा
पता-थाना रोड,नियर पावर हाउस,मायापुर,अंबिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भोगी राम आ0 ठनू राम निवासी रूखपुर थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (माता) स्व0 ठेपी पति ठनू राम अम्बिकापुर की दिनांक 15/4/2014 को स्थान निवास में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

क्या रेंज स्थापना बोर्ड की बैठक में एमसीबी,कोरिया जिले के विवादित पुलिसकर्मियों की वापसी का रास्ता हुआ साफ ?

- » कोरिया के मायावी प्रधान आरक्षक ने एमसीबी जिला जाने की इच्छा जताई जिस पर अंतिम मोहर क्या वहां के एसपी ने लगाई ?
- » डायल 112 में एमसीबी जिला जाने के लिए पुलिस अधीक्षक को दिया मायावी प्रधान आरक्षक ने आवेदनःसूत्र
- » डायल 112 में ही रहना है तो फिर जशपुर में ही क्यों नहीं रहना चाह रहे हैं मायावी प्रधान आरक्षक ?
- » क्या एमसीबी एसपी की सहमति से स्थानांतरण सूची में मायावी प्रधान आरक्षक का नाम शामिल हो सकता है,जो कभी भी हो सकती है जारीःसूत्र
- » पूर्व आईजी ने जिन्हें व्यवस्था के तहत एमसीबी व कोरिया जिले से बाहर भेजा अब वह फिर से आने की जुगाड़ में ?
- » क्या एमसीबी जिले के पुलिस अधिकारी ने अपने चहेते को जिले में बुलाने के लिए सरगुजा आईजी को किया कन्वेंस ?
- » मायावी प्रधान आरक्षक एमसीबी जिले में वापसी के लिए इसलिए परेशान जिससे कोरिया जिले के उनके व्यापार जारी रह सकें ?

-न्यूज डेस्क-
सरगुजा/जशपुर/एमसीबी, 20 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में पुलिस विभाग की रेंज स्थापना बैठक सम्पन्न हुई जहां सभी जिलों के संभाग स्तरीय पुलिस अधीक्षकों की भी उपस्थिति रही जहां से यह जानकारी निकलकर सामने आ रही है कि बैठक में उन विवादित पुलिसकर्मियों की भी चर्चा हुई जिनकी कार्यप्रणाली दोषपूर्ण होने की वजह से उन्हें पूर्व पदस्थ रहे जिलों से हटाया गया था और पूर्व आईजी के द्वारा विवादित पुलिसकर्मियों से कुछ जिलों को निजात दिलाने के लिए ऐसा किया गया था जिससे रेंज के सभी जिलों में बेहतर पुलिसिंग की स्थापना हो सके। जिन पुलिस कर्मियों को हटाया गया था उनकी कार्यप्रणाली ऐसी थी कि वह जिन जिलों में पदस्थ थे वहां उनके संरक्षण में हर अवैध कारोबार संचालित हुआ करते थे और गाहे बगाहे ऐसे पुलिसकर्मियों का नाम उनसे जुड़ता था जिससे पुलिस की छवि धूमिल हुआ करती थी,पुलिस की छवि धूमिल न हो यह पूर्व आईजी की सोच थी जिस कारण वर्षों से एक जगह जमे और पुलिस की धौंस दिखाकर खुद के लिए ऐशो आराम के साधन जुटा रहे पुलिसकर्मी हटा दिए गए थे। वैसे ऐसी सूचना है कि बैठक जो रेंज में हुई वहां ऐसे विवादित पुलिसकर्मियों को पुनः मनचाही जगह पदस्थापन दिए जाने पर बातें हुईं और जिसमे संभवतः उनके लिए रास्ता भी बनाया गया। कोरिया जिले से जशपुर जिले भेजे गए मायावी प्रधान आरक्षक को नवीन जिले एमसीबी के लिए मौका दिया जाएगा ऐसा बताया जा रहा है, वैसे बताया जा रहा है कि कोरिया जिले के मायावी प्रधान आरक्षक के रूप में जाने जाने वाले पुलिसकर्मी ने एमसीबी जिले जाने की इक्षा जताई है और इस पर मुहर कभी भी लग सकती है,लगी कि नहीं लगी यह सवाल है।

वैसे मायावी प्रधान आरक्षक की इक्षा एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक के माध्यम से आईजी सरगुजा तक पहुंचने की बात बताई जा रही है और क्या यह सही बात है यह पुष्टि होना शेष है ,सूत्रों के अनुसार मायावी प्रधान आरक्षक ने काफी हांथ पैर जोड़े काफी मिन्नते की कई जगह जाकर जी हुजूरी की और इस क्रम में उन्होंने पूर्व में कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक रहे वर्तमान में एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक से भी मिन्नते की हांथ पैर उनके सामने जोड़े तब जाकर एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक ने एमसीबी जिले के लिए उन्हें सहमति प्रदान की। अब बातें ऐसी सामने आई हैं सच्चाई भी सामने आयेगी यदि ऐसा है तो मायावी प्रधान आरक्षक को पूर्व के परिचय का लाभ मिलता नजर आएगा और कोरिया पुलिस अधीक्षक रहे वर्तमान के एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक ने मायावी की फरियाद सुनी और सहमति देकर एक तरह से जिले में आने का रास्ता साफ किया जो मायावी के लिए किसी वरदान से कम नहीं यह बताया जा रहा है।

कोरिया के अपने व्यवसाय को एमसीबी जिले से संचालित करेगा मायावी...यदि पहुंचा एमसीबी

मायावी प्रधान आरक्षक एमसीबी जिले तक यदि वापसी कर सका तो वह कोरिया जिले में फैले अपने व्यवसाय को एमसीबी जिले से आ जाकर संचालित करेगा,बताया जाता है कि कोरिया जिले को वह किसी हाल में छोड़ना नहीं चाहता क्योंकि आरंभ से यही पदस्थ रहते हुए उसने कोरिया जिले में अपना एक तरह से साम्राज्य स्थापित किया हुआ है,अपने फैले साम्राज्य को वह कहीं और स्थापित नहीं कर सकता इसलिए वह जशपुर भेजे जाने के बाद से ही काफी परेशान था और इधर उधर की दौड़ लगाकर वह कोरिया वापसी चाहता था,जब उसे यह विश्वास हो गया वह कोरिया नहीं आ सकता उसने अगल बगल के जिले के लिए मिन्नते करना शुरू किया और अंत में वह एमसीबी जिले के लिए जुगाड बना ले गया। एमसीबी जिले से वह अपने सम्राज्य को जो कोरिया जिले में फैला है आसानी से संचालित कर सकेगा यह बताया जा रहा है और यही कारण माना जा रहा की उसने एमसीबी जिले का चयन मिन्नतें करने के दौरान किया।

मायावी की वापसी पूर्व आईजी की बेहतर पुलिसिंग स्थापित करने की मंशा पर पानी फेरने जैसा निर्णय-

यदि मायावी की वापसी जशपुर जिले से होती है मनचाही जगह तो यह उस मंशा पर पानी फेरने वाला निर्णय माना जाएगा जिस मंशा से पूर्व आईजी ने मायावी को जशपुर जिले भेजा था,दोषपूर्ण कार्यप्रणाली,शिकायतों के अंबार की जानकारी के आधार पर पूर्व आईजी ने मायावी को रेंज के सबसे किनारे के जिले के लायक माना था जहां से मायावी अपनी माया का जाल आसानी से फैलाने में कामयाब न हो सके। मायावी की यदि वापसी होती है तो पूर्व आईजी की बेहतर पुलिसिंग की मंशा पर पानी फिरता नजर आना तय है।

मायावी ने एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक से पूर्व परिचय का लाभ उठा सकता हैःसूत्र

बताया जा रहा है कि मायावी प्रधान आरक्षक ने जशपुर से वापसी के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किया है, हर दरवाजे हर उस माध्यम तक जाकर मायावी ने माथा टेका है जहां से उसे उम्मीद थी कि उसकी वापसी वह करा सकने में समर्थ हैं, मायावी अपनी माया से हर पैंतरे आजमाता रहा और असफल होता रहा लेकिन उसने अंत में ऐसा माध्यम ढूंढ लिया जो उसे वापसी का रास्ता दिला सकता था,मायावी की एक ही इक्षा थी कोरिया वापसी या अगल बगल के जिले में पदस्थापना,कोरिया जिले से उसे सहमति उसके कार्यप्रणाली की वजह से भले नहीं मिली लेकिन उसने कोरिया जिले के पूर्व पुलिस अधीक्षक को अपने लिए मना लिया और उन्होंने सहमति अपने जिले के लिए प्रदान कर दी,काफी मिन्नते करने के बाद कोरिया जिले के पूर्व पुलिस अधीक्षक वर्तमान में एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक ने मायावी को पूर्व परिचित होने का वह लाभ प्रदान किया जिसकी उम्मीद लिए वह उनकी चौखट पर पहुंचा था, कोरिया में रहने के दौरान का परिचय मायावी के काम आया और अब वह कम से कम कोरिया जिले के बगल के जिले में पहुंच गया जहां रहकर भी वह कोरिया आसानी से आना जाना कर सकेगा।

एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक ने क्या सच में मायावी के लिए आईजी सरगुजा को कन्वेंस किया ?

सूत्रों की माने तो मायावी प्रधान आरक्षक अब एमसीबी जिले में नजर आयेंगे, एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक ने मायावी के लिए आईजी सरगुजा को कन्वेंस किया है ऐसी बात सामने आ रही है, मायावी एमसीबी जिले में रहते हुए बेहतर कार्यप्रणाली अपनी साबित करेंगे यह विश्वास आईजी सरगुजा को एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक ने दिलाया है ऐसा बताया जा रहा है, अब इस बात में कितनी सच्चाई है यह हम तो साबित नहीं कर सकते लेकिन यह सवाल जरूर है कि क्या सच में पुलिस अधीक्षक एमसीबी ने मायावी के लिए पैरवी की है? क्या वह सच में आईजी सरगुजा से मायावी की फरियाद रखने गए थे? वैसे दावा सच है या झूठा है यह बात सामने आएगी जरूर लेकिन ऐसा बतलाया जा रहा है कि मायावी की फरियाद पहले एमसीबी पुलिस अधीक्षक ने सुनी फिर उन्होंने यही फरियाद आईजी सरगुजा तक पहुंचाई और अब संभवतः मायावी एमसीबी जिले में नजर आने वाले हैं।

डायल 112 के लिए मायावी ने दी है सहमतिःसूत्र

छत्तीसगढ़ में डायल 112 में शुरू है कुछ जिले में अभी यह सुविधा शुरू नहीं हुई है पर बहुत जल्द सरगुजा संभाग के कई जिलों में यह सुविधा शुरू होनी है ऐसा बताया जा रहा है कि यह सुविधा बहुत जल्द शुरू हो जाएगी सुविधा शुरू होने से पहले ही इस जगह पर पदस्थ होने के लिए मायावी प्रधान आरक्षक ने अपनी इच्छा जताई है और आवेदन जिले के एसपी को दिया था ऐसा विशेष सूत्रों का कहना, मायावी प्रधान आरक्षक ने डायल 112 के लिए एमसीबी जिले के पुलिस अधीक्षक को सहमति दी है ऐसा बताया जा रहा है, बताया जा रहा है कि एमसीबी जिले के डायल 112 में काम करते नजर आयेंगे मायावी प्रधान आरक्षक, वैसे कोरिया जिले में खुद को सुपर कॉप घोषित करके काफी प्रसिद्धि हासिल करने वाले और जिले की पुलिसिंग के पूरे नियंत्रण खुद के हांथ में बतलाने वाले वर्तमान में जशपुर में पदस्थ मायावी अब डायल 112 लिए भी तैयार हैं यह आश्चर्य की बात है,वैसे डायल 112 कहीं एक बहाना मात्र तो नहीं असल मकसद पहले लौटना जशपुर से फिर जिले में धौंस जमाना ऐसा तो नहीं?

कभी भी जारी हो सकती है आईजी कार्यालय से तबादला सूचीःसूत्र

सूत्रों की माने तो कभी भी आईजी कार्यालय सरगुजा से रेंज स्तरीय तबादला सूची जारी हो सकती है,सूची तैयार है और अंतिम मुहर लगनी बाकी है, वैसे इस सूची में मायावी के अलावा भी कई ऐसे विवादित पुलिसकर्मियों का नाम हो सकता है जिन्हें दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के कारण पूर्व पदस्थ जिले से पूर्व आईजी ने हटाया था ऐसा सूत्रों का दावा है,विवादित पुलिसकर्मियों को उनके मनचाही पदस्थापना प्रदान करने के लिए जारी होने वाली इस सूची में जो नाम नजर आने वाले हैं उन्होंने काफी मिन्नते की और काफी उन्हें दौड़ भाग करने की जरूरत पड़ी ऐसा बताया जा रहा है। वैसे यदि सूची जारी होती है तो यह भी माना जाएगा कि विवादित पुलिसकर्मियों के आगे विभाग भी या तो नतमस्तक है या उनके आगे किसी कारणवश मजबुर है।

उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देश के परिपालन में प्रधान जिला न्यायाधीश,कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक ने जिला जेल का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
कोरिया,20 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के दिशा निर्देश के परिपालन में प्रधान जिला न्यायाधीश, कलेक्टर कोरिया,पुलिस अधीक्षक कोरिया ने जिला जेल का निरीक्षण किया, यह निरीक्षण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट-पिटिशन सुकन्या संस्था विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में पारित निर्णय के परिपालन में दिनांक 19 सितंबर 2025 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष शैलेश कुमार तिवारी, कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतीक्षा अग्रवाल, सचिव डीएलएसए अमृता दिनेश मिश्रा विजिटर बोर्ड के अन्य सदस्यों द्वारा जिला जेल बैकुंठपुर का निरीक्षण किया गया,निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बंदियों के जिले में निरुद्ध रहने के दौरान मिलने वाले अधिकारों एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई,यह सुनिश्चित किया गया कि सभी कैदियों को समय पर विधिक सेवाएं प्रदान कराए जाएं,उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो, निरीक्षण बोर्ड द्वारा सभी बंदियों से चर्चा की गई,निरीक्षण के दौरान जिला जेल में जातिगत भेदभाव या अन्य भेदभाव नहीं पाया गया, साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर, बंदियों के बैरक बंदियों के लिए जेल में बने शौचालयों की स्थिति उसके साफ सफाई की समीक्षा की गई,प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं कलेक्टर ने बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी जांची,बंदियों से मिलकर उनकी समस्याओं को भी सुना साथ ही जेल में स्थापित लीगल एड क्लिनिक में उपलब्ध सुविधा एवं लीगल एड क्लिनिक के माध्यम से बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया, माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट पिटिशन (सी) क्रमांक - 1404/2023 सुकन्या संस्था विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया में व अन्य में पारित निर्णय दिनांक 3 अक्टूबर 2024 में दिए निर्देश के परिपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व डिस्ट्रिक्ट विजिटर बोर्ड कोरिया द्वारा प्रत्येक तीन माह में जिला जेल बैकुंठपुर कोरिया का निरीक्षण किया जाता है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि बंदियों के साथ जेल में किसी प्रकार का जातिगत भेदभाव या अन्य भेदभाव नहीं किया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा मंडल सोनहत ने सेवा पखवाड़ा के तहत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया

-संवाददाता-
सोनहत,20 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाजपा मंडल सोनहत द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विविध जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया,मरीजों को फल वितरित किए गए तथा साप्ताहिक बाजार स्थल पर एक स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय नागरिकों की निःशुल्क जांच की गई एवं आवश्यक परामर्श तथा दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन लाभान्वित हुए। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियो ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

जन्मदिवस को पार्टी द्वारा सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, और आगामी दिनों में भी सेवा पखवाड़ा के तहत अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला मंत्री ईश्वर राजवाड़े मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े,महामंत्री मनोज साहू जनपद अध्यक्ष,आशा सोनपाकर जनपद सदस्य सोनिया सुमित राजवाड़े मंडल महामंत्री सुरेश राजवाड़े भाजयुमो जिला मंत्री रमेश तिवारी कोषाध्यक्ष दीपक जायसवाल,सुभाष जायसवाल सहादुर सोंनपाकर,केपी सिंह भाजयुमो उपाध्यक्ष दिलीप राजवाड़े,रामु राजवाडे,जय प्रकाश टिकेश्वर,विक्की सारथी,रामकुशल राजवाड़े संजय मानिकपुरी पूर्व मंडल अध्यक्ष,मोती राजवाड़े,रिकु राजवाड़े,अनिल सोनपाकर,अनुज राजवाड़े,गणेश्वर राजवाडे सरपंच सोनहत,मानमती दिनेश सिंह तथा बीएमओ अनित कुमार बखला,दिलीप पाण्डेय,विजय कुमार तथा भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय पदाधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री जी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए इस दिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया।

स्वास्थ्य जांच शिविर

साप्ताहिक बाजार स्थल पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने नागरिकों की जांच की तथा आवश्यक परामर्श व दवाइयां भी वितरित कीं।

स्वच्छता अभियान

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत केशगवा हनुमान मंदिर प्रांगण मे एवं सार्वजनिक स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

मरीजों को फल वितरण

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य के माध्यम से मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

खाते समय मां ने कसा तंज,भूखे पेट नौकरी की तलाश में निकले,15 की उम्र से आज भी काम कर रहे : महेश भट्ट

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर महेश भट्ट 77 साल के हो गए हैं। आशिकी, सारांश और सड़क जैसी हिट फिल्में देने वाले भट्ट का निजी जीवन भी हमेशा चर्चा में रहा...

मां का अकेलापन देखा है...

बचपन की यादें और फिल्मों में आने की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट ने कहा- बचपन की जो सबसे बड़ी याद है, वह मेरी मां का अकेलापन है। फिल्मों में आने की प्रेरणा की बात करूं तो जब इंसान अकेला होता है, तो वह खुद से बातें करने लगता है। मैं भी तन्हाई में अपने मन से कहानियां सुनाता था। असल में कला का जन्म तन्हा जहन में ही होता है। बचपन से ही हर तरह का सिनेमा देखता आया हूं। 8-9 साल की उम्र में जब गुरु दत्त साहब की फिल्म प्यासा देखी। ऐसा लगा कि मैं गुरु दत्त की रूह को जानता हूं। आसिफ साहब की मुगल-ए-आजम देखी, तो लगा कि अदा और हिम्मत हो तो वैसी हो। मदर इंडिया देखने के बाद यह महसूस हुआ कि इससे बड़ी फिल्म भारत में नहीं बनी है। बचपन में ही इन फिल्मों का असर मेरे खून में घुल गया,जिसकी गूंज आज तक मेरे काम में सुनाई देती है महेश भट्ट के पिता नानाभाई भट्ट उनके साथ कभी नहीं रहे। उनके मां-बाप की शादी नहीं हुई थी। दरअसल, महेश भट्ट के पिता पहले से ही शादीशुदा थे। इसलिए उन्होंने कभी महेश भट्ट की मां को पत्नी का दर्जा नहीं दिया। इस वजह से महेश भट्ट को भी बहुत कुछ झेलना पड़ा। लोग उन्हें नाजायज औलाद कहकर बुलाते थे। महेश भट्ट ने ई टाइम्स को बताया था कि उनके पिता का एक अलग परिवार था। वह घर आते थे, तो कभी जूते नहीं उतारते थे, क्योंकि वह उनके साथ कभी ठहरते नहीं थे। लेकिन फिर भी उनके मां-बाप के बीच प्यार बहुत था। पिता बेटे महेश भट्ट और उनकी मां की सिर्फ आर्थिक रूप और अन्य चीजों के जरिए मदद करते थे। महेश भट्ट भी गुजारे के लिए स्कूल के दिनों में छोटे-मोटे काम करके पैसे कमाते थे। यहां तक कि उन्होंने कुछ प्रोडक्ट्स के विज्ञापन भी बनाए थे।

15 साल की उम्र से आज तक काम कर रहा हूं...

महेश भट्ट ने बताया कि उनकी मां 15 साल की उम्र में नौकरी करने को क्यों कहा था? महेश भट्ट बताते हैं- मां ने एक दिन साफ-साफ कह दिया–बेटा, तुझे खाते हुए अच्छा नहीं लगता, तेरी बहनें काम करती हैं और तू यहां खाना खा रहा है। उस समय खाना छोड़कर हाफ पैंट में निकल गया। मां ने रोका नहीं। एक दोस्त के पास पहुंचा और कहा कि कोई भी नौकरी दिलवा दे। ऐसे मैं 15 साल की उम्र से काम कर रहा हूं। आज 77 साल का हो गया हूं।

शून्य से शुरुआत करना सबसे बड़ी बात

महेश भट्ट ने करियर की शुरुआत राज खोसला के असिस्टेंट के तौर पर की। राज खोसला से मुलाकात का किस्सा शेयर करते हुए महेश भट्ट ने बताया कि कैसे उनकी सोच का उनके करियर पर असर पड़ा है? महेश भट्ट कहते हैं- 19 साल का था जब राज खोसला साहब से मिला। उनके कमरे में गुरु दत्त की तस्वीर लगी थी। उन्होंने मुझसे पूछा कि फिल्म मेकिंग के बारे में क्या कुछ जानते हो? मैंने साफ कहा कि जी, नहीं। इस पर उन्होंने हंसकर कहा–बहुत अच्छा, शून्य से शुरू करना सबसे बड़ी बात है। उनकी यह बात मेरी जिंदगी में आज तक बनी हुई है।

मैं किसी को कुछ नया नहीं देता

महेश भट्ट ने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक टैलेंट को लॉन्च किया है। महेश भट्ट से जब पूछा गया कि जब किसी नए कलाकार को मौका दिया, तो उनका टैलेंट कैसे पहचानते हैं? महेश भट्ट ने कहा- हम एक लाइट हाउस की तरह हैं। समुद्र में जो जहाज भटकते हैं, उन्हें लाइट हाउस रास्ता दिखाता है। मैं जाकर किसी को पकड़ता नहीं हूं, लेकिन जिसे मेरी रोशनी दिखती है,वह खुद आ जाता है। असल में,मेरे अंदर से लोग अपना ही स्वाद पहचानते हैं। मैं किसी को कुछ नया नहीं देता, बस उनके भीतर का बीज बचाता हूं। जैसे माली बीज बोता नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करता है। इंसान अपने आप में संपूर्ण है, बस उसे याद दिलाने की जरूरत होती है कि उसमें ताकत पहले से मौजूद है।

महेश भट्ट की मां के जीवन से प्रेरित थी 'जख्म'

फिल्म 'जख्म' महेश भट्ट के जीवन की सबसे निजी फिल्मों में से एक थी। यह फिल्म उनके पिता नानाभाई भट्ट और मां शिरीन मोहम्मद अली के रिश्ते को भी दर्शाती है, जिसमें मां मुस्लिम और पिता हिंदू थे। फिल्म में एक धर्मनिरपेक्ष महिला की कहानी को दिखाया गया है, जो एक हिंदू से प्यार करती है और अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए संघर्ष करती है। इस फिल्म में पूजा भट्ट ने महेश भट्ट की मां शिरीन मोहम्मद अली का किरदार निभाया था। इस फिल्म को राष्ट्रीय एकता पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार मिला। इस फिल्म के लिए अजय देवगन को पहली बार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

डैडी महेश भट्ट के जीवन के अनुभव पर आधारित

फिल्म डैडी महेश भट्ट के निजी अनुभवों पर आधारित थी, जिसमें उनकी बेटी पूजा भट्ट ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बाप और बेटी के रिश्ते की जटिलताओं को दर्शाती है, जिसमें पिता का शराब से संघर्ष और बेटी का उसे रोकने का प्रयास शामिल था। फिल्म के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि रिश्ते की जटिलताओं और संवेदनशीलता को आने वाली पीढ़ी के लिए समझना जरूरी है। यह फिल्म दूरदर्शन पर रिलीज हुई थी। पूजा भट्ट के पिता का किरदार अनुपम खेर ने निभाया था।

आशिकी महेश भट्ट की पहली पत्नी के साथ उनके प्यार भरे रिश्ते से प्रेरित थी

महेश भट्ट ने एक बार खुलासा किया था कि आशिकी उनके पहले प्यार, उनकी पहली पत्नी किरण भट्ट के साथ उनके वास्तविक जीवन के रिश्ते से प्रेरित थी। महेश भट्ट ने किरण को एक संस्थान में दाखिला दिलाया था, जहां उन्हें टाइपिस्ट और शॉर्टहैंड सिखाया गया था, जो फिल्म का एक मुख्य पहलू है।

महेश भट्ट ने अपनी जिंदगी से प्रेरित फिल्में बनाई

महेश भट्ट अकेले ऐसे फिल्ममेकर हैं, जिन्होंने हर तरह की फिल्में बनाई। फिल्मों के लिए जितना चर्चाओं में रहे, उतना ही विवादों के कारण सुर्खियों में छाए। ये एकमात्र डायरेक्टर हैं जिन्होंने अपनी ही जिंदगी से प्रेरित 6-7 फिल्में बनाई। इनमें से 3 एक्ट्रेस परवीन बाबी के साथ उनके संबंधों पर थीं। महेश भट्ट के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'अर्थ' विशेष रूप से परवीन बाबी के साथ उनके रिश्ते से प्रेरित थी। यह फिल्म पति और पत्नी के रिश्ते की जटिलताओं और मानसिक स्वास्थ्य के संवेदनशील विषयों को दर्शाती है, जिसमें फिल्म का मुख्य संदेश यह है कि कुछ विवाहों को लंबे समय तक चलने की आवश्यकता नहीं होती है। इस फिल्म में शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने दमदार महिला किरदारों की भूमिका निभाई थी, जो अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ावों का सामना करती हैं। इस फिल्म के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हमेशा परेशानी भरे होते हैं और कुछ रिश्तों को समाप्त करना ही बेहतर होता है।

'फिर तेरी कहानी याद आई' लिव-इन रिलेशनशिप के अनुभवों से प्रेरित

'फिर तेरी कहानी याद आई' परवीन बाबी के साथ महेश भट्ट के लिव-इन रिलेशनशिप के अनुभवों से प्रेरित थी। इस फिल्म में परवीन बाबी के मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों और ब्रेकअप के भावनात्मक पहलुओं को दर्शाया गया है। इस फिल्म में पूजा भट्ट और राहुल रॉय की लीड भूमिका थी। पूजा भट्ट ने परवीन बाबी और राहुल रॉय ने महेश भट्ट से प्रेरित किरदार निभाया था। यह फिल्म महेश भट्ट के लिए अपनी भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का एक तरीका थी।

ईशान-जान्हवी की फिल्म होमबाउंड की ऑस्कर 2026 में एंट्री

भारत की तरफ से बेस्ट इंटरनेशनल फीचर कैटेगरी के लिए सेलेक्ट

फिल्ममेकर नीरज घायवान की फिल्म होमबाउंड को ऑस्कर 2026 के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है।आधिकारिक तौर पर 2026 अकादमी अवॉर्ड के लिए बेस्ट इंटरनेशनल फीचर कैटेगरी के लिए चुना गया। फिल्म में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कोलकाता में सिलेक्शन का ऐलान किया। चयन समिति के अध्यक्ष एन चंद्रा ने कहा कि अलग-अलग भाषाओं की कुल 24 फिल्में ऑस्कर में देश का प्रतिनिधित्व करने की दौड़ में थीं। होमबाउंड अब अगले साल ऑस्कर में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के लिए सौ से अधिक देशों की ऑफिशियल एंट्री के साथ पहले नॉमिनेशन और फिर पुरस्कार जीतने के लिए कंपीट करेगी। फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर की प्रोडक्शन कंपनी धर्मा प्रोडक्शन ने इस मौके पर ट्वीट करके खुशी जाहिर की है। ट्वीट में लिखा गया- हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि होमबाउंड 98वें अकादमी अवॉर्ड में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री है। बता दें कि अब तक भारत की तरफ से इस कैटेगरी में तीन भारतीय फिल्में मदर इंडिया, सलाम बॉम्बे और लगान नॉमिनेट हो चुकी हैं। हालांकि, किसी को भी जीत हासिल नहीं हुई। ऑस्कर में भारत की एकमात्र जीत ओपन कैटेगरी में मिली है। साल 2023 में डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर को मिली थी। वहीं, इस फिल्म की बात करें तो हाल ही में, 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म इंटरनेशनल पीपुल्स च्वाइस अवॉर्ड की दौड़ में दूसरे स्थान पर रही। इससे पहले लगभग चार महीने पहले होमबाउंड को कांस प्रीमियर में 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। इस साल कांस फिल्म फेस्टिवल में इंडिया की तरफ से होमबाउंड एकमात्र फीचर फिल्म रही, जिसका वर्ल्ड प्रीमियर अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में किया गया था। इस खास मौके का वीडियो धर्मा प्रोडक्शन ने एक्स पर शेयर करते हुए लिखा था- 9 मिनट तक प्योर लव और शाबाशी! टीम होमबाउंड को @Festival_Cannes में सभी की सराहना मिल रही है। इस नजारे को देखकर फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर और डायरेक्टर नीरज घायवान भावुक हो गए थे। फिल्म की बात करें तो 'होमबाउंड' में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा लीड भूमिका में हैं। वहीं, जाह्नवी का कैमियो है। फिल्म में दो दोस्तों की कहानी है। जो छोटे से उत्तर भारतीय गांव से आते हैं और पुलिस की नौकरी की तलाश में हैं लेकिन जैसे-जैसे वे अपने सपने के करीब पहुंचते हैं।

जॉली एलएलबी 3 की बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत,अनुराग कश्यप की निशांची का बुरा हाल

बीते 19 सितंबर को सिनेमाघरों में 2 चर्चित फिल्में आईं। एक अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म जॉली एलएलबी 3 और दूसरी अनुराग कश्यप की फिल्म निशांची। दर्शकों और समीक्षकों ने जहां अक्षय की फिल्म को पूरे नंबरों से पास किया, वहीं अनुराग वाली फिल्म में कई कमियां निकालीं। बहरहाल, अब इन दोनों फिल्मों की पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। जॉली एलएलबी 3 और निशांची के खाते में कितने-कितने पैसे आए, आइए जानते हैं।

पहले दिन 12.50 करोड़ रुपये छापकर छाई जॉली एलएलबी 3 : सैकनलिक के मुताबिक अक्षय और अरशद की फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 12.50 करोड़ का कारोबार किया है। जॉली एलएलबी 3 की शुरुआत अच्छी हुई है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर साल 2025 की एक या दो नहीं, बल्कि कई फिल्मों को धूल चटा दी है। इसमें ब्लॉकबस्टर महावतार नरसिम्हा से लेकर मिराई, केसरी- चैप्टर 2, जाट, सितारे जमीन पर और भूल चूक माफ जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर खूब तारीफें बटोर रहीं फिल्म

जॉली एलएलबी में अरशद मुख्य भूमिका में थे, जबकि जॉली एलएलबी 2 में अक्षय मुख्य भूमिका में थे। फ्रेंचाइज के तीसरे भाग में दोनों जॉली और सौरभ शुक्ला अपनी-अपनी यादगार भूमिका में हैं। उधर हुमा कुरैशी और अमृता राव ने भी पिछली फिल्मों के अपने किरदारों को दोहराया है। सोशल मीडिया पर सुभाष कपूर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की खूब तारीफ हो रही है, जिसका असर लोगों की जुबानी भी देखने को मिल रहा है।

पहले ही दिन लाखों में सिमटी अनुराग की निशांची: बात करें अनुराग कश्यप की नई फिल्म निशांची की तो बॉक्स ऑफिस पर इसका वो रंग नहीं दिखा।। इस गैंगस्टर ड्रामा से बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्या ठाकरे ने अपनी पहली फिल्म की शुरुआत की, जिसमें वो जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू का किरदार निभा रहे हैं। इसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी हैं। फिल्म पहले दिन महज 25 लाख रुपये बटोर पाई है। इसकी कमाई ने निर्माता-निर्देशक को भी हैरान कर दिया है।

अजेय का हाल तो निशांची; से भी बुरा : उधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर बनी फिल्म अजेय द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी भी 19 सितंबर को रिलीज हुई। इसमें परेश रावल और अनंत जोशी के साथ भोजपुरी अभिनेता निरहुआ भी दिखे हैं। इसने तो पहले दिन निशांची से भी कम कारोबार किया है। फिल्म बस 20 लाख रुपये ही कमा पाई है। इसका निर्देशन महारानी वाले रवींद्र गौतम ने किया है। पहले ये फिल्म 1 अगस्त के रिलीज होने वाली थी।

खेल समाचार

दुबई में आज होगा भारत-पाकिस्तान का मैच

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2025। भारत और पाकिस्तान के बीच आज एक और महाजंग देखने को मिलेगी। लेकिन, क्या इसे महाजंग कहना ठीक होगा? इसका जवाब है, नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों देशों के बीच खेले गए अभी-तक सभी 14 टी20 इंटरनेशनल मुकाबालों में टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। लेकिन दुबई में दोनों की जंग बराबरी की है। बुधवार 17 सितंबर को यूएई के खिलाफ मैच से पहले चले 70 मिनट के ड्रामे के बाद पाकिस्तान ने मेजबान को हराकर सुपर-4 में प्रवेश कर लिया। जिसके बाद अब 21 सितंबर को दोबारा दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम उसका सामना भारत से होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को पहली बार टक्कर देखने को मिली थी। जिसमें टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 7 विकेट से धूल चटाई थी। यह मुकाबला हार और जीत के दबाव के अलावा एक मानसिक दबाव वाला खेला भी था। जिसमें भारत ने हर डिपार्टमेंट में पाकिस्तान से अच्छा खेलकर जीत अपने नाम की थी। इस एकतरफा मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने मैच जीतने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। जवाब में नाराज पाकिस्तानी कप्तान पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन से नदारद रहे। इसके बाद पाकिस्तान ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की और धमकी दी कि अगर मैच रेफरी को नहीं हटाया गया तो वह टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगा। इतना सब होने के बाद जब आईसीसी ने पाकिस्तान की मांग खारिज कर दी। तब पाकिस्तान ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले 70 मिनट तक ड्रामा किया।जिसमें उसने टूर्नामेंट छोड़ने की धमकी दी। लेकिन, आईसीसी अपनी बात पर अड़ा रही और मांग नहीं मानी। जिसके बाद आखिर में पाकिस्तान को यूएई से मैच खेलने आना ही पड़ा। अगर पाकिस्तान यह मैच नहीं खेलता तो वह एशिया कप 2025 से बाहर हो जाता और 2 अंक मिलने के बाद मेजबान यूएई सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर जाता।

3 बार दुबई में हो चुकी है टक्कर

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दोनों देशों के बीच एशिया कप के कुल तीन मैच खेले गए हैं, जिसमें 2 मुकाबले टीम इंडिया ने जीते। साल 2016 में पहली बार टी20 फॉर्मेट का एशिया कप खेला गया था। तब पाकिस्तान के द्वारा 84 रन के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 15.3 ओवर में सिर्फ 5 विकेट खोकर मैच अपने नाम कर लिया। 2022 में दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान को एक बार फिर 5 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम 19.5 ओवरों में 147 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 19.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर 4 में पाकिस्तान ने पिछली दो हार का बदला लिया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी और 7 विकेट खोकर 181 रन बनाए। जवाब में मोहम्मद रिजवान (71) और मोहम्मद नवाज (42) की शानदार पारियों के दम पर पाकिस्तान ने 19.5 ओवरों में 5 विकेट शेष रहते जीत दर्ज कर ली।

दुबई में फिर हारा पाकिस्तान

14 सितंबर 2025 को खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने बाजी मारी। दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप के लिए दोनों टीमें लगातार तीसरी बार आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए खराब शुरुआत के बाद 9 विकेट खोकर 127 रन बनाए। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 15.5 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते आसान जीत दर्ज की।

ओमान के कप्तान ने बीसीसीआई से सपोर्ट मांगा

बोले- हमें राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग लेने दें,सूर्या ने खिलाड़ियों से बातचीत की

नई दिल्ली,20 सितम्बर 2025। एशिया कप में भारत और ओमान के बीच मुकाबला खेला गया। मैच के बाद ओमान के सभी खिलाड़ी मैदान पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से बातचीत करते दिखे। बात खत्म होने के बाद खिलाड़ियों ने सूर्या के लिए तालियां भी बजाईं। इसका फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। साथ ही ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से अपनी टीम के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में ट्रेनिंग के लिए सपोर्ट मांगा है। बातचीत के बाद ओमान के कप्तान ने पत्रकारों से कहा- मुझे लगता है कि अगर हम भारत को अपना दूसरा अपना घर बना सकें,तो हम राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग ले सकते हैं, अपने स्किल्स और फिटनेस पर काम कर सकते हैं। क्लब और रणजी टीमों के साथ ढेर सारे टी-20 मैच खेल सकते हैं। इससे हमें मदद मिलेगी और हमारे खेल में सुधार होगा। मैं सूर्या का आभारी हूं उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि वे (सूर्यकुमार यादव) आए और खिलाड़ियों से बातचीत की। वे खेल और टी-20 में कैसे खेलना है, इस बारे में बात कर रहे थे। लड़के बस सवाल पूछ रहे थे, उनके साथ सवाल-जवाब कर रहे थे, ताकि उनके विचारों में स्पष्टता आ सके। वह टीम की बहुत तारीफ कर रहे थे।

मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है...

भारतीय टीम ने ओमान को 21 रन से हराया। भले ही यह मैच भारतीय टीम ने जीता हो, लेकिन ओमान ने फैंस का दिल जीत लिया। ओमान की टीम ने वर्ल्ड चैंपियन के खिलाफ पूरे 40 ओवर तक संघर्ष किया। इस मुकाबले में भारतीय टीम को 10 बल्लेबाज उतारने पड़े, जबकि 8 खिलाड़ियों को गेंदबाजी में लगाना पड़ा। फिर भी इंडियन टीम ओमान के 4 विकेट ही गिरा सकी। जतिंदर ने कहा, मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है, जैसा कि मैं पहले दिन से कह रहा हूं। मुझे लगता है कि यह टीम के लिए अपनी स्थिति जानने का एक बेहतरीन मंच था और उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने दुनिया की नंबर-1 टीम के सामने शानदार जज्बा दिखाया। खिलाड़ी इससे बहुत कुछ सीखेंगे।

भारतमाला परियोजना में हुए फर्जीवाड़े में अफसरों की मिलीभगत

रायपुर,20 सितम्बर 2025। भारतमाला परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण को लेकर छत्तीसगढ़ के अभनपुर क्षेत्र में कई मामले खुलते जा रहे हैं। ऐसे ही एक प्रकरण में कोलकाता निवासी सांवरमल अग्रवाल ने आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कर अफसरों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक, ग्राम पचेड़ा स्थित अग्रवाल की निजी भूमि का मुआवजा फर्जी दस्तावेजों और कूटरचित बेनाम नामों के आधार पर एक अन्य व्यक्ति को दिला दिया गया। अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने समय रहते संबंधित अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसे स्वीकार भी किया गया था। बावजूद इसके, संबंधित विभाग ने विक्रम गंभीर नामक व्यक्ति को 1.20 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का मुआवज़ा भुगतान कर दिया। सांवरमल अग्रवाल ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि यह एक सुनियोजित साजिश है, जिसमें सरकारी तंत्र की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। ईओडब्ल्यू ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। मामले में कई अन्य दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है।

तांत्रिक के पास जाता था युवक बलि देने कहा तो मां की हत्या कर दी

बिलासपुर,20 सितम्बर 2025। जादू-टोना के शक में कलयुगी बेटे ने कुल्हाड़ी से मारकर मां की हत्या कर दी। तांत्रिक के कहने पर आरोपी विष्णु केवट ने मां की हत्या करने के बाद थाने में पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र के सरवानी गांव का है। गांव में रहने वाला विष्णु कैवर्त्य बच्चों की तबीयत खराब रहने से परेशान रहता था। इलाज के लिए वह तांत्रिक के पास गया था, जिसने मां के जादू-टोना करने की वजह से बच्चों की तबीयत खराब होने की बात कही। इस पर परेशान युवक ने धारदार टंगिया से अपनी मां को मौत के घाट उतार दिया। टंगिया लेकर चकरभाठा थाने पहुंचे युवक ने पुलिस को बताया कि मेरे बच्चों की तबीयत मेरी मां की वजह से खराब थी। उनको कई बार समझाया हूं, जब नहीं समझी तो गुस्से में आकर इसी टंगिया को उसके सिर दे मारा, जिससे उसकी मृत्यु हो गई है। पुलिस ने आरोपी का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। इसी दौरान किसी बैगा ने उससे कहा कि, तुम्हारे बच्चों पर किसी ने जादू टोना किया है। इस कारण वे बार-बार बीमार पड़ रहे हैं। जादू टोना करने वाला तुम्हारे परिवार का ही सदस्य है। विष्णु उसकी बातों में आ गया। उसने जादू टोना करने वाले का नाम पूछा। बैगा ने पहले तो उसे नाम बताने की बजाय टाल दिया। इसके बाद भी वह बार-बार उसके पास जाकर जादू-टोना करने वाले का नाम पूछता रहा। बार-बार पूछे जाने पर बैगा ने बताया कि तुम्हारी मां ही उसके बच्चों पर जादू-टोना कर रही है।

स्कॉर्पियो वाहनों से 6 करोड़ 60 लाख बरामद

सीट-डिग्गी में छिपाए गए थे नोट,गिनती के लिए मशीन मंगवानी पड़ी

दुर्ग,20 सितम्बर 2025। बड़ी खबर सामने आई है, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर कुम्हारी पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आज सुबह महाराष्ट्र पासिंग दो स्कॉर्पियो वाहन से 6 करोड़ 60 लाख रुपए बरामद किया है, इस रकम के साथ चार व्यक्ति सवार थे, रकम बरामदगी की सूचना आयकर विभाग को दे दी है है, अग्रिम कार्यवाही जारी है।

हवाला रकम होने की आशंका

जब्त करोड़ों कैश हवाला के होने की आशंका जताई जा रही है, फ़िलहाल गिरफ्तार 4 लोगों से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है, मुख्य सरगना के बारे में पता लगाया जा रहा है, आखिर इतनी बड़ी रकम का मालिक कौन है और किसके पास ले जाकर छोड़ना था।

आयकर विभाग करेगा कार्रवाई

कार से इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद पुलिस ने जानकारी आयकर विभाग को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दी है। पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि इतनी बड़ी रकम चुनावी माहौल या अन्य संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ी हो सकती है। आयकर विभाग जांच में जुटा है। वहीं, स्थानीय लोगों की भीड़ थाने में इकट्ठा हो गई और मामले की चर्चा पूरे क्षेत्र में होने लगी। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि भारी मात्रा में कैश बरामद होने के बाद पुलिस-आयकर विभाग की संयुक्त टीम इस रकम के स्रोत और इस्तेमाल की जांच कर रही है।

यूथ कांग्रेस नेता भावेश शुक्ला पर एफआईआर दर्ज

रायपुर,20 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारियों को प्रदर्शन करना भारी पड़ा है। रायपुर पुलिस ने अलग-अलग प्रदर्शन को लेकर यूथ कांग्रेस नेता भावेश शुक्ला और एनएसयूआई नेता प्रशांत गोस्वामी समेत अन्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। बता दें कि यूथ कांग्रेस ने खेल संचालनालय में घोटालों के आरोप के साथ प्रदर्शन किया था, तो वहीं एनएसयूआई ने गजानंद इंस्टीट्यूट में प्रदर्शन किया था। इस दौरान पीसीसी चीफ दीपक बैज के निर्देश पर कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने एसएसपी से मुलाकात की थी। वहीं एसएसपी डॉक्टर लाल उमेंद्र सिंह के कहा कि एक डेलीगेट से हमने मुलाकात की है।

एक्साइज कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी,हर्षित देवांगन टॉपर

रायपुर,20 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (सीजी व्यापमं) ने शनिवार को एक्साइज कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। परीक्षा का आयोजन 27 जुलाई को किया गया था, जिसमें 2,16,307 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। यह भर्ती कुल 200 पदों के लिए आयोजित की गई थी। व्यापमं ने परिणाम अपनी आधिकारिक वेबसाइटvyapamcg.cgstate.gov.in पर अपलोड किए हैं।

टॉपर हर्षित देवांगन, 91.500 अंक : जारी की गई कंबाइंड मेरिट लिस्ट के मुताबिक, परीक्षा में हर्षित कुमार देवांगन ने 100 में से 91.500 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं रितेश कुमार गवेल ने 89.500 अंकों के साथ दूसरा स्थान और राहुल वर्मा ने 88.750 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया।

हजारों अभ्यर्थियों का कमजोर प्रदर्शन : परीक्षा में करीब 2,000 अभ्यर्थियों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा, जिन्हें 10 या उससे कम अंक मिले। वहीं, सबसे खराब प्रदर्शन दीपक द्विवेदी नामक परीक्षार्थी का रहा, जिसके -15 (माइनस 15) अंक आए। इस बार परीक्षा में 8 अभ्यर्थियों के अंक माइनस में रहे जबकि 5 अभ्यर्थियों के शून्य अंक आए।

व्यापमं ने जारी किया फाइनल मॉडल आंसर : रिजल्ट के साथ ही व्यापमं ने परीक्षा का फाइनल मॉडल आंसर भी जारी किया है। दिलचस्प बात यह है कि इस बार भी व्यापमं सभी प्रश्नों को सही तरीके से तैयार नहीं कर पाया।

कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सूची पुनरीक्षण पर उठाए सवाल

कहा...एसआईआर कार्यक्रम के लिए किस मतदाता-सूची को आधार बनाया जाएगा,3 महीने से नहीं मिला महतारी-वंदन का पैसा

रायपुर,20 सितम्बर 2025। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने शनिवार को मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि, खबरें आई है कि राज्य में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण एसआईआर का कार्य शुरू हो रहा है, लेकिन राजनीतिक दलों को अभी तक इसकी सूचना नहीं दी गई है। दीपक बैज ने कहा कि, निर्वाचन आयोग इस प्रकार का कोई कार्यक्रम शुरू करता है, तो सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रदेश और जिला कार्यालयों को इसकी सूचना देनी चाहिए। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग कर पूरे कार्यक्रम विचार विमर्श और सुझाव लेना चाहिए। निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों को बताना चाहिए कि उसने इस महत्वपूर्ण एसआईआर कार्यक्रम के लिए किस मतदाता सूची को आधार बनाया है। कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम का विरोध नहीं करती, लेकिन इस कार्य में पूरी पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। किसी भी नाम को हटाने या जोड़ने के पहले उसका ईमानदारी से परीक्षण होना चाहिए।

तीन माह से महतारी वंदन का पैसा नहीं मिल रहा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, पिछले तीन महीने से प्रदेश में महिलाओं को मिलने वाली महतारी वंदन की राशि 40 प्रतिशत महिलाओं को नहीं मिली है। यही नहीं सरकार

महिलाओं का नाम भी काट रही है,जिन महिलाओं को पिछले 14 माह तक राशि मिलती रही है उनको अब अपात्र बताया जा रहा है। भाजपा सरकार महतारी वंदन में महिलाओं का नाम काटने का षड़यंत्र कर रही है। बस्तर के 4 जिलों में लगभग 4 हजार से अधिक महिलाओं के नाम काटे गये है। यही नहीं सरकार पूरे प्रदेश में महतारी वंदन के हितग्राहियों का फिर से सर्वे करवाने जा रही है। जिससे अधिक से अधिक महिलाओं के नाम काटे जा सके।चुनाव के समय सभी महिलाओं को महतारी वंदन का लाभ देने का वादा भाजपा ने किया था। चुनाव के बाद सभी महिलाओं को लाभ न मिले इसके लिए नियम कानून बना दिया। अब महिलाओं का नाम फिर से काटने का षड़यंत्र किया जा रहा है।

यूरिया के लिए भटक रहे हैं किसान

दीपक बैज ने कहा कि,धान की फसल के लिए यूरिया की आवश्यकता है। बिना यूरिया के फसल की बाढ़ प्रभावित हो रही है। सोसाइटियों में खाद गायब है। निजी दुकानदार तीन गुना महंगे दाम पर कालाबाजारी कर रहे हैं, 265 रुपए का यूरिया 1200 में बिक रहा है 1350 के डीएपी के लिए दो दो हजार वसूला जा रहा है। खरीफ फसल में खाद के अंतिम डोज का समय तेजी से निकल रहा है, धान के किए तो समय निकल चुका है, बाली निकल आई है लेकिन अब तक पूरे प्रदेश में किसान खाद के अभाव में परेशान हैं, यह सरकार केवल कागजी दावे कर के समस्या से इनकार कर रही है। मुख्यमंत्री दिल्ली में उर्वरक मंत्री नड्डा से मिलकर आने के बाद दावा किये थे सितंबर महीने तक 50 लाख टन यूरिया आएगी, सरकार बताये। 50 हजार टन अतिरिक्त यूरिया कहां है, किसानों को कब मिलेगी? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, केंद्र सरकार किसानों को सम्मान निधि देने में भी भेदभाव कर रही है। हर बार किसान सम्मान निधि की किस्त देते समय हजारों किसानों के नाम को काट दिया जाता है उनके खाते में सम्मान निधि जमा नहीं की जाती है।

केंद्र सरकार के दिव्यांगजन आरक्षण कानून का राज्य में नहीं हो रहा पालन,याचिका पर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

बिलासपुर,20 सितम्बर 2025। दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम में केंद्र सरकार ने वर्ष 2016 से बदलाव कर दिया है, मगर छत्तीसगढ़ सरकार इस पर अमल नहीं कर रही है और वर्ष 2014 के नियमों व अधिनियमों के अनुसार दिव्यांगजनों को आरक्षण दे रही है। राज्य सरकार के इस निर्णय को चुनौती देते हुए डॉ. रितेश तिवारी ने अधिवक्ता संदीप दुबे व ज्योति चंद्रवंशी के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है।

दोनों पैरों से दिव्यांग डॉ. रितेश तिवारी ने अधिवक्ता संदीप दुबे व ज्योति चंद्रवंशी के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। डिवीजन बेंच ने छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस का जवाब देने के लिए चार सप्ताह की

मोहलत दी है। याचिकाकर्ता डॉ रितेश तिवारी आयुर्वेद स्नातक है और छत्तीसगढ़ में बीएल कैटेगरी के तहत नौकरी की पात्रता रखते हैं। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 1995 के अधिनियम के तहत दिव्यांगों को आरक्षण दिया जा रहा है। इस अधिनियम में तीन कैटेगर में पांच प्रकार के दिव्यांगता का उल्लेख है। इसी आधार पर चिन्हांकित तीन कैटेगरी के दिव्यांगों को ही शासकीय सेवा में आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है।

अधिवक्ता ने डिवीजन बेंच को दी ये जानकारी

याचिकाकर्ता की ओर से डिवीजन बेंच के समक्ष पैरवी करते हुए अधिवक्ता संदीप दुबे ने बेंच को बताया, वर्ष 2016 में पार्लियामेंट ने दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम में बड़ा बदलाव कर दिया है। आरक्षण सुविधा के लिए 17 कैटेगरी को शामिल किया है। इसमें बहु विकलांगता, ह्वारिज्म, मानसिक विकलांगता, एसिड अटैक विकलांगता, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, ब्लाइंड, बौनापन सहित इस कैटेगरी में शामिल किए गए दिव्यांजनों को आरक्षण का लाभ देने का प्रावधान है। अधिवक्ता दुबे ने डिवीजन बेंच को बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सभी नियुक्तियों में पूर्व के अधिनियम के अनुसार सिर्फ 5 प्रकार के दिव्यांगता को ही चिन्हांकित कर आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। यह पार्लियामेंट द्वारा पारित अधिनियम और बनाए गए कानून का सीधेतौर पर उल्लंघन है।

रायपुर में रिटायर्ड महिला साइंटिस्ट से 42 लाख की ठगी

सीबीआई अफसर बनकर बोला-तुम्हारे सिम से ब्लैकमेलिंग हो रही,मनी-लॉन्ड्रिंग केस का डर दिखाकर फंसाया

रायपुर,20 सितम्बर 2025। रायपुर में एक रिटायर्ड महिला साइंटिस्ट से 42 लाख की ठगी हुई है। ठग ने महिला को कॉल कर खुद को सीबीआई अधिकारी बताया, फिर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के बहाने बैंक अकाउंट जांच करने को कहा। इसके बाद आरोपियों ने साइंटिस्ट से रुपए ट्रांसफर करवा लिए। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़िता पुष्पा अग्रवाल ने शिकायत में बताया कि, वो टैगोर नगर में रहती हैं। चंडीगढ़ के एक साइंस इंस्टीट्यूट के चीफ साइंटिस्ट पद से रिटायर हुई है। 18 सितंबर को उनके नंबर पर फोन आया। इसमें ठग ने खुद को ट्राय का अधिकारी बताकर धमकाया।

कॉल ट्रांसफर करके दिया डराया : पीड़िता ने बताया कि आपके नाम से सिम एक्टिवेट है, जिसमें लोगों को ब्लैकमेलिंग वाला कॉल जा रहा

है। इसके बाद कॉल को किसी दूसरे ठग के पास ट्रांसफर कर दिया। उसने खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया। इस दौरान दूसरे ठग ने बताया कि, एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

3 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग का केस है। उसने मुंबई के एक खाता में 30 लाख रुपए कमीशन का डलवाया है। यह खाता आपके नाम से है, फिर ठग ने पुष्पा को उलझाते हुए कहा कि, मामले की सीबीआई जांच कर रही है।

आपका खाता भी जांच के दायरे में : इसके बाद आरोपी ने फिर फोन ट्रांसफर कर एक नए ठग को दे दिया। उसने कहा कि वो सीबीआई अधिकारी बोल रहा है। आपके नाम से अरेस्ट वारंट जारी किया गया। आपकी सभी संपत्ति को और बैंक खाते को जब्त कर लिया जाएगा। इस बात से महिला डर गई। इस डर का फायदा उठाकर ठग ने महिला के बैंक में जमा रुपए की जांच के बहाने 42 लाख रुपए कर्नाटक के एक बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए। ठग ने कहा कि उसे पैसे वापस कर दिए जाएंगे।

बस्तर का जवान मणिपुर आतंकी हमले में शहीद

असम राइफल्स में तैनात थे रंजीत कश्यप
3 बेटियों के पिता थे,बुजुर्ग मां-बाप का छिना सहारा

जगदलपुर,20 सितम्बर 2025। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में आतंकवादियों ने असम राइफल्स के एक वाहन पर हमला किया। इस हमले में 2 जवान शहीद हो गए, जबकि 5 घायल हो गए हैं। शहीद जवानों में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के बालेंगा गांव निवासी रंजीत कुमार कश्यप भी शामिल हैं। ग्रामीणों और दोस्तों के मुताबिक रंजीत पिछले महीने ही छुट्टी पर गांव आया था। करीब एक महीने तक वो अपने परिजनों के साथ रहा। पिछले रविवार को ही ड्यूटी पर लौटा था। उसने अपने साथियों से कहा था कि सेवा के तीन साल बाकी हैं। इसके बाद रिटायर होकर गांव लौटेगा और बुजुर्ग माता-पिता का सहारा बनेगा। परिजन बताते हैं कि, रंजीत शुरू से ही देश की सेवा करना चाहता था। उसका सपना था फोर्स ज्वाइन कर देश की रक्षा करना। रंजीत की तीन बेटियां हैं। एक बहन की शादी भी बीएसएफ जवान से हुई है। शहादत की खबर मिलते ही गांव में शोक है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब 6 बजे बिष्णुपुर जिले के नांबोल सबल लीकाई इलाके में आतंकियों ने असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर हमला किया। अचानक हुई गोलीबारी में एक वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हमले में एक ऑफिसर और जवान रंजीत कुमार कश्यप शहीद हो गए। इनके अलावा तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, रंजीत कश्यप बस्तर के बालेंगा इलाके के रहने वाले थे। असम में अपनी सेवा दे रहे थे।

फर्जी मार्कशीट वाला शिक्षक नौकरी से बर्खास्त,आदेश जारी

जांजगीर,20 सितम्बर 2025। सहायक शिक्षक के खिलाफ फर्जी मार्कशीट से नौकरी करने की शिकायत मिली थी। जिसकी जांच करवाई गई। जांच में मामला सही पाए जाने पर सहायक शिक्षक को बर्खास्त कर दिया गया है। नवागढ़ ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला करमंदी में पदस्थ सहायक शिक्षक सुभाष कुमार साहू के विरुद्ध कक्षा 12वीं की अंकसूची में प्राप्त अंकों से अधिक अंकों के आधार पर नियुक्ति पाने संबंधी शिकायत नवागढ़ जनपद सीईओ से हुई थी जिस वजन पर पंचायत नवागढ़ द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी नवागढ़ से जांच कर कर प्रतिवेदन मांगा गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार सुभाष कुमार साहू के कक्षा 12वीं की अंक सूची में प्राप्तांक 370 अंकित है जिसके आधार पर शिक्षाकर्मी वर्ग 3 के पद में नियुक्ति हुई। नियुक्ति उपरांत विकासखंड शिक्षा अधिकारी नवागढ़ को अंक सूची प्रस्तुत की गई,जिसमें 12वीं के अंक 293 है। सहायक शिक्षक सुभाष कुमार साहू को नवागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने नोटिस जारी कर उनका जवाब मांगा। सहायक शिक्षक के जवाब का अवलोकन करने पर उन्होंने बताया था की नियुक्ति के समय कुल प्राप्त अंक 293 की अंकसूची जनपद पंचायत नवागढ़ में उनके द्वारा जमा की गई थी। 370 अंक वाले अंक सूची के संबंध में जानकारी नहीं होना उन्होंने लेख किया था।

रायपुर में महिलाओं का प्रदर्शन...सरकार से मांगा अपना हक

12 जिलों से एनआरएलएम की 2 हजार महिलाएं पहुंची धरनास्थल,सम्मानजनक मानदेय मांगा

रायपुर,20 सितम्बर 2025। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत एनआरएलएम (बिहान) की सीआरपी/सक्रिय महिलाओं ने शनिवार 20 सितंबर को राजधानी रायपुर के तूता में राज्य स्तरीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान 12 जिलों से आई करीब दो हजार महिलाओं ने जुलूस निकाला और मुख्यमंत्री,पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री,मुख्य सचिव, पंचायत सचिव व बिहान संचालक के नाम ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि मात्र 1910 मासिक मानदेय पर उनसे लगातार सरकारी काम कराया जा रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि मानदेय को 'न्यूनतम वेतन अधिनियम' के अनुसार बढ़ाया जाए और समय पर सीधे

बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाए। लोकोस वीपीआरपी और लखपति दीदी के ऑनलाइन काम का भुगतान तत्काल करने, सभी कैडरों को मोबाइल उपलब्ध कराने, नेट खर्च, यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता देने की भी मांग उठाई गई।

महिलाओं से मुफ्त काम करवाया जा रहा

धरना को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष पदमा पाटिल ने कहा प्रधानमंत्री ने लाल किले से एनआरएलएम की नारी शक्ति की सराहना की, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि सक्रिय महिलाओं से मुफ्त में काम कराया जा रहा है। 1910 में मोबाइल और नेट चार्ज भरना भी मुश्किल है। मानदेय महीनों तक रोका जाता है और बेमतलब कटौती भी की जाती है। उन्होंने कहा कि शासन ने लोकोस वीपीआरपी का पैसा जारी कर दिया है, फिर भी भुगतान महिलाओं तक नहीं पहुंचा है।

महिलाओं को कर्मचारी का दर्जा मिले

राज्य सलाहकार विश्वजीत हारोड़े ने भी मंच से कहा कि सक्रिय महिलाएं प्रतिदिन सरकारी कार्य कर रही हैं, इसलिए उन्हें कर्मचारी का दर्जा मिलना चाहिए। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक उन्हें जीने लायक मानदेय मिलना चाहिए। धरना स्थल पर 12 जिलों से आई प्रतिनिधि महिलाओं ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं और आंदोलन तेज करने का ऐलान किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाएं शोषण बंद करो, सम्मानजनक मानदेय दो जैसे नारे लगाती रहीं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)